केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 335 शनिवार 29 जून 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

जिला कारागार का औचक निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जनपद न्यायाधीश कुलदीप सक्सेना, जिलाधिकारी रवीश गुप्ता, पुलिस अधीक्षक गोपाल कृष्ण चौधरी ने जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला कारागार में स्थापित किशोर बैरक का मुआयना किया गया तत्पश्चात महिला बैरक, चिकित्सालय एवं पाकसाला का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पाकसाला व चिकित्सालय साफ सुथरा पाया गया। उन्होने चिकित्सालय में भर्ती मरीजों से पूछताछ किया तथा कहा कि किसी को कोई समस्या है, तो मरीजों द्वारा बताया गया कि कोई समस्या नही है और भर्ती मरीजों को दवाइयां समय से दे दी जाती है।

निरीक्षण के दौरान मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट आशीष राय, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रभारी सचिव अमित मिश्रा, अधीक्षिका जिला कारागार अंकेच्छिता श्रीवास्तव, जेलर, डिप्टी जेलर एवं जेल के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

जहरीले जन्तु के काटने से केमिस्ट की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती ।कलवारी थाना क्षेत्र के बैडारी मुस्तहकम चौराहे पर मेडिकल स्टोर चलाने वाले एक युवक की जहरीले जंतु के काटने से मौत हो गई । दुकान की साफ सफाई करते समय उसे किसी जहरीले जंतु नें काट लिया, युवक की स्थिति बिगड़ने पर स्थानीय दुकानदारों उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनहरा पहुंचाया, जहां से डॉक्टर ने युवक को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया, जिला अस्पताल पर युवक को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया ।थाना क्षेत्र के ही सोनबरसा के रहने वाले उमेश पिछले तीन वर्षो से बैडारी मुस्तहकम चौराहे पर मेडिकल स्टोर की दुकान चलाते हैं। दुकान के बाहर दीवाल में उगे पीपल के पेड़ को उखड़ते समय उमेश को किसी जहरीले जंतु ने काट लिया। किस जंतु ने उसे काटा इसका पता उमेश को भी नहीं लग सका। उमेश ने काटी गई जगह पर दवा लगाई और फिर से साफ सफाई करने में जुट गया। लगभग 1 घंटे बाद उमेश को चक्कर आने लगा तब उसने अगल–बगल के लोगों को सारी बात बताई। स्थानीय लोग उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनहरा लेकर पहुंचे, जहां से उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया, जिला अस्पताल पहुंचने से पहले ही उमेश ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। जिला अस्पताल से जानकारी मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म मामले में मुकदमा दर्ज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के मामले में छावनी पुलिस ने केस दर्ज किया है। यह मामला पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर पीड़िता की तहरीर पर दर्ज कर जांच–पडताल शुरु कर दी है। पीड़िता ने अपनी तहरीर में बताया कि पहले उसके साथ शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया और गर्भ ठहरने पर दवा खिलाकर गर्भपात करवा दिया। जब उसने शादी का दबाव बनाया तो आरोपी ने शादी से इंकार कर दिया। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक राजेश तिवारी ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर जीतू और उसकी बहने आरती व कांति के खिलाफ केस दर्ज करके घटना की तहकीकात की जा रही है।

पेपर लीक मामले को लेकर दोनों सदनों में हंगामा, कार्यवाही स्थगित

नई दिल्ली (आभा)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि इंडिया गठबंधन नीट परीक्षा और पेपर लीक के मुद्दे पर सरकार के साथ रचनात्मक बहस करना चाहता है. उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमें संसद में ऐसा करने की अनुमति नहीं दी गई। यह एक गंभीर चिंता है जो पूरे भारत में लाखों परिवारों को परेशान कर रही है। राहुल गांधी ने कहा कि हम प्रधानमंत्री से इस मुद्दे पर बहस करने और छात्रों को वह सम्मान देने का आग्रह करते हैं जिसके वे हकदार हैं। इससे पहले, राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पेश करते हुए राज्यसभा में भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जवाहरलाल नेहरू की तुलना नहीं है, साथ ही कांग्रेस पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि जो तीन चुनाव के बाद भी तीन डिजिट की संख्या प्राप्त नहीं कर पाए, चुनाव के बाद उनके चेहरे की चमक देखिए. उनकी आवाज की खनक देखिए. उनके जलवे में धमक देखिए. ऐसा लगता है कि मानो बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली. इसका कारण यह है महोदय कि एक बच्चा होता है जो टॉपर होता है, अगर वह डिस्टिंक्शन के बदले फर्सट डिवीजन लाए तो उसके चेहरे पर वह खुशी नहीं होती है. वहीं फेल होने वाला बच्चा अगर ग्रेस अंक लाकर थर्ड डिवीजन पास हो जाए तो उसे बड़ी खुशी होती है।

मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट–यूजी पेपर लीक मामले पर हंगामे के बीच लोकसभा की कार्यवाही सोमवार यानी 1 जुलाई, 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है। लोकसभा की कार्यवाही 12 बजे दोबारा शुरू होने पर भी विपक्ष ने हंगामा जारी रखा। विपक्षी सांसद नीट पेपर लीक मामले पर तुरंत चर्चा की मांग पर अड़े हुए थे। लोकसभा अध्यक्ष ने विपक्षी सांसदों को शांत करते हुए कहा कि संसद को न चलने देना संसदीय लोकतंत्र के खिलाफ है. उन्होंने कहा कि सदस्य राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान इस मुद्दे पर चर्चा कर सकते हैं, वह इसकी इजाजत देंगे. इसके बाद संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू ने कहा कि संसद के इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ है। राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद धन्यवाद प्रस्ताव के अलावा किसी और विषय पर चर्चा की परंपरा कभी नहीं रही है कांग्रेस पार्टी और उसके साथी दलों ने सदन की गरिमा को ताक पर रखा है. विपक्षी सांसद राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के विरोध में वेल तक आए हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पेपर लीक का मुद्दा उठाया और विपक्षी सांसदों के साथ मिलकर इस मामले पर चर्चा की मांग की. लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने जोर देकर कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा पहले की जाए। इसपर विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, '..हम विपक्ष और सरकार की ओर से भारत के छात्रों को एक संयुक्त संदेश देना चाहते थे कि हम इस मुद्दे को जरूरी मानते हैं. इसलिए, हमने सोचा कि छात्रों के सम्मान के लिए हम पेपर लीक पर चर्चा करेंगे।

दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल 1 की छत गिरी, सभी उड़ानें रद्द, एक की मौत, 6 घायल

नई दिल्ली (आभा)। राजधानी दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर आज सुबह बड़ा हादसा हो गया। एयरपोर्ट के टर्मिनल–1 पर बारिश की वजह से छत गिरने से वहां मौजूद कई कारें दब गईं। हादसे में छह लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि एक शख्स की मौत हो गई है। मौके पर फायर ब्रिगेड की गाड़ियां पहुंची है। रेस्क्यू का काम शुरू कर दिया गया है। दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल 1 से सभी उड़ानों को निलंबित कर दिया गया है और चेक–इन काउंटर बंद कर दिए गए हैं।

पूर्व ग्राम प्रधान पर जबरिया खेत जोत लेने का आरोपः लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के मझौवा खुर्द निवासी विजय सिंह वर्मा ने जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक समेत अन्य सम्बंधित अधिकारियों को पत्र देकर न्याय की गुहार लगाया है। भेजे पत्र में विजय सिंह वर्मा ने कहा है कि उनके पट्टीदार जुग्गीलाल वर्मा पुत्र सन्तराम चौधरी लम्बे समय तक ग्राम प्रधान थे। जुग्गीलाल वर्मा का स्थानीय पुलिस से अच्छा सम्बन्ध है और पुलिस की सह पर वे उसके घर के पिछवाड़े की जमीन को कब्जा कर लेना चाहते हैं। मना करने पर जुग्गीलाल वर्मा, उनके पुत्र आशुतोष वर्मा, प्रियंका वर्मा, मनीष वर्मा आदि विजय सिंह वर्मा और उनके परिवार को भद्दी–भद्दी गालियां देते हुये जान से मारने की धमकी देते हैं। जुग्गीलाल वर्मा कहते हैं कि वे पूर्व ग्राम प्रधान रहे हैं, पुलिस प्रशासन उनके साथ है, तुम लोग मेरा कुछ नहीं बिगाड पाओगे।

मझौवा खुर्द निवासी विजय सिंह वर्मा ने पत्र में कहा है कि गत 14 जून को उसने इस मामले में एक प्रार्थना पत्र दिया था। 22 जून को दिन में लगभग 12 बजे जुग्गीलाल वर्मा पुत्र सन्तराम चौधरी, रामभवन चौधरी पुत्र रामराज, रंजेश पुत्र रामभवन चौधरी, संदीप, पंकज आदि ने इसी रंजिश को लेकर उसके खेत को ट्रैक्टर से जोत लिया। खेत में एक माह के ढैचा की फसल लगी थी, उसका काफी नुकसान कर दिया। मना करने पर बरामदे में घुसकर गालियां देते हुये जान से मारने की धमकी दी। थाने पर सूचना देने के बावजूद पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं किया। विजय सिंह वर्मा ने मामले में दोषियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराने के साथ ही अने परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने डीएम से शिष्टाचार भेंट कर किया स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शुक्रवार को राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के एक प्रतिनिधि मण्डल ने नवागत जिलाधिकारी रवीश गुप्ता से कलेक्ट्रेट कार्यालय कें उनके कक्ष में शिष्टाचार भेंट कर गुलदस्ता औरं स्वागत पत्र देकर स्वागत किया। जिलाधिकारी ने भी कर्मचारियों से सहयोग की अपेक्षा की।

प्रतिनिधिमण्डल में राज्यकर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष मस्तरामवर्मा, कार्यवाहक अध्यक्ष राम अधार पाल, जिलामंत्री तौलूप्रसाद, कोषागार कर्मचारी संघ के अध्यक्ष अखिलेश पाठक,ग्राम्य विकास अधिकारी संघ के अध्यक्ष अमरनाथ गौतम, डिप्लोमा इ0जी0 महासंघ के अध्यक्ष इ0 अभिषेक सिंह,पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के अध्यक्ष अजय आर्य,ग्राम्य पंचायत अधिकारी संघ के अध्यक्ष अरूणेसपाल,दीवानी न्यायालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष अशोक सिंह,ग्राम्य विकास अधिकारी संघ के मण्डल अध्यक्ष राकेश पाण्डेय,ग्राम्य विकास मिनिस्ट्रीयल एसोसिएशन अध्यक्ष मुकेश सोनकर, लघु सिचाई एसोसिएशन के अध्यक्ष सुबास पाण्डेय, ब्लाकअध्यक्ष साऊंघाट लालजी कन्नौजिया, राहुल श्रीवास्तव, कुसुमलतासिंह, पेशकार, ऋृतुराज पाण्डेय,चन्द्र प्रकाश,हरीराम पाण्डेय सहित कई कर्मचारी, संगठनों के पदाधिकारी शामिल रहें।

जेल से निकल केंद्र सरकार पर बरसे हेमंत सोरेन

रांची (आभा)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को उच्च न्यायालय ने बड़ी राहत दी। कोर्ट ने शुक्रवार को सोरेन को कथित भूमि घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में जमानत दे दी। जमानत मिलने के बाद शुक्रवार शाम हेमंत रांची स्थित बिरसा मुंडा जेल से बाहर भी आ गए। कोर्ट ने सोरेन की जमानत याचिका पर अपना फैसला 13 जून को सुरक्षित रख लिया था।

कथित जमीन घोटाले में हाई कोर्ट से जमानत मिलने के बाद झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री जेल से बाहर निकल आए हैं। घर पहुंचते ही परिवार ने उनका जोरदार स्वागत किया। माता–पिता से आशीर्वाद लेने के बाद हेमंत सोरेन ने मीडिया के सामने आकर बात की। उन्होंने एक तरफ अदालत को धन्यवाद दिया तो दूसरी तरफ केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी का भी जिक्र किया। पूर्व सीएम की अनुपस्थिति में पार्टी का कामकाज देख रहीं उनकी पत्नी कल्पना सोरेन ने कहा कि आज का दिन बहुत भावुक करने वाला है और अपनी भावना व्यक्त करने के लिए उनके पास शब्दों की कमी है।

हेमंत सोरेन ने कहा कहा, 'मैं पांच महीने के बाद जेल से आया हूं। इन पांच महीनों का जो वक्त था इस राज्य के लिए, हमारे झारखंडी भाइयों के लिए, यहां के मूल निवासी आदिवासियों के लिए चिंतनीय महीने रहे हैं। पूरे देश के पता है कि मैं किसलिए जेल गया और आखिरकार न्यायालय ने अपना न्याय सुनाया है। उसी के तहत आज मैं बाहर हूं।

पेपर लीक मामले में गृह मंत्री अमित शाह से मिले राजभर

नई दिल्ली (आभा)। पेपर लीक मामले में वीडियो वायरल होने के बाद विपक्ष के निशाने पर आए सुभासपा के विधायक बेदी राम ने पार्टी अध्यक्ष ओपी राजभर की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। ओपी राजभर पर चौतरफा दबाव बढ़ रहा है। गुरुवार को समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बेदी राम को लेकर भाजपा को घेरा और उनकी गिरफ्तारी की मांग कर दी तो सीएम योगी ने ओपी राजभर को तलब कर लिया। योगी के बाद शुक्रवार को गृहमंत्री अमित शाह ने राजभर को बुला लिया है। अमित शाह के बुलावे पर सुबह–सुबह ओपी राजभर लखनऊ से दिल्ली पहुंचे। संसद भवन में स्थित अमित शाह के दफ्तर में उनसे मुलाकात की। अभी तक बातचीत का ब्योरा तो नहीं मिला है लेकिन माना जा रहा है कि बेदी राम के कारण यूपी में बन रही परिस्थितियों पर ही बातचीत हुई है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि ओपी राजभर के लिए बेदी राम का वीडियो गले की हड्डी बन गया है। इस वीडियो के साथ ही ओपी राजभर का भी एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में ओपी राजभर खुद बेदी राम को जुगाड़ से नौकरी दिलाने वाला बताते हुए कह रहे हैं कि अब तक लाखों चेलों को नौकरी दिला चुके हैं। इसी वीडियो में ओपी राजभर कहते हैं कि फार्म भरने के बाद कॉल लेटर आए तो बेदी राम को कॉल कर लेना नौकरी का जुगाड़ हो जाएगा।

खुले परिषदीय स्कूल, बच्चों का हुआ स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। ग्रीष्मावकाश के बाद शुक्रवार को पहले दिन बच्चों के विद्यालय आने से परिषदीय स्कूलों में उत्सव का माहौल रहा। स्कूलों को सजाया गया साथ ही बच्चों का रोली टीका लगाकर स्वागत किया गया।

हरैया विकासखण्ड के परिषदीय विद्यालयों में रोली–चंदन लगाकर बच्चों का स्वागत किया गया। इस दौरान पूरे स्कूल के साथ कमरों को गुब्बारों, झालरों व फूलों से सजाया गया। बच्चों का खीर हलवा आदि से मुंह मीठा कराया गया। खण्ड शिक्षा अधिकारी हरैया बड़कऊ वर्मा स्वयं प्राथमिक विद्यालय हरैया प्रथम पर पहुंचकर एआरपी गिरिजेश बहादुर सिंह, उमेश सिंह और प्रधानाध्यापिका निरुपमा तिवारी के साथ बच्चों का स्वागत किए तथा संविलियन विद्यालय उभाई में प्रधानाध्यापक विद्यासागर वर्मा और प्रमोद त्रिपाठी की अगुवाई में बच्चों का स्वागत किया गया। प्राथमिक विद्यालय गोभिया में प्रधानाध्यापिका नीलम सिंह और अनुराधा मिश्रा द्वारा बच्चों का स्वागत किया गया तो वहीं प्राथमिक विद्यालय पूरेबेचू में प्रधानाध्यापक नईमुद्दीन, शिक्षक विवेक कान्त पाण्डेय आदि द्वारा नव निर्मित किचेन शेड में बच्चों को खीर खिलाकर मुंह मीठा कराया गया। खण्ड शिक्षा अधिकारी ने बताया कि पहले दो दिन समरकैंप लगाए जायेंगे। विद्यालय स्तर पर ही दो घंटे का कैंप लगाकर छात्र छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया जाएगा। साथ ही नामांकन बढ़ाने के लिए शिक्षक घर–घर जाकर अभिभावकों को बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रेरित करेंगे।

क्षय रोग उन्मूलन के लिये सामुदायिक, राजनैतिक भागीदारी जरूरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हरैया के सभागार में टीबी मुक्त पंचायत हेतु सीएचओ और एएनएम की संयुक्त प्रशिक्षण का आयोजन अधीक्षक डा बृजेश कुमार शुक्ल के अध्यक्षता में किया गया।

डा बृजेश ने कहा कि टीबी का बैक्टीरिया ज्यादेतर मामलों में फेंफड़ों को प्रभावित करता है। पंद्रह दिन से अधिक खांसी, सीने में दर्द, बलगम, वजन कम होना, बुखार आना और रात में पसीना आना, बलगम के साथ खून आना टीबी के लक्षण है। इन लक्षणों में से कोई भी लक्षण है तो इसे नजर अंदाज मत करें। जांच तुरंत करायें। आज के समय में टीबी पूर्णतया ठीक हो रही है।

एमओटीसी डा नंदलाल यादव ने कहा कि टीबी के रोगी को नियमित टीबी की दवाओं का सेवन करते रहना चाहिए। रोगी को 6 माह तक इलाज पूर्ण करने पर निक्षय पोषण योजना के जरिए 1500 रुपये पहले शुरुआती और 1500 रुपये ईलाज पूर्ण करने तक पोषण के लिए दी जा रही है, इसके साथ ही टीबी मरीजों को पहचान करने वालों को भी 500 रुपये दिया जा रहा है।

प्रशिक्षक जिला कार्यक्रम समन्वयक अखिलेश चतुर्वेदी ने कहा की वर्ष 2025 तक टीबी मुक्त भारत हेतु पंचायत स्तर पर टीबी मुक्त ग्राम पंचायत घोषित कराए जाने की आवश्यकता है जिसके लिए ग्राम स्तर पर टीबी के लक्षणों वाले व्यक्तियों की पहचान कर उनके बलगम का जांच कराते हुए ग्राम स्तर के सभी क्षय रोगियों को गण मान्य व्यक्तियों के माध्यम से गोद दिलवाया जाए जिससे क्षय रोगियों को पोषण में सहयोग किया जा सके।

वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक राहुल श्रीवास्तव ने कहा कि सभी सीएचओ, एएनएम अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करें। अपने क्षेत्र के प्रत्येक आशा से कम से कम 5 जाँच अवश्य कराएं। आप सभी अपने क्षेत्र के मरीज के सम्पर्क में रहने वाले एवं पास पड़ोस में रहने वाले सभी ब्यक्तियों की जांच अवश्य कराएं। क्षय रोग उन्मूलन हेतु सामुदायिक और राजनैतिक भागीदारी बेहद अहम हैं।

वरिष्ठ टीबी प्रयोगशाला पर्यवेक्षक संजय कुमार पाण्डेय ने कहा कि टीबी इलाज में सबसे पहले मरीज की हिस्ट्री लेते हुए यह पता किया जाता है कि मरीज किसी संक्रमण के सम्पर्क में था या नही फिर बीमारी की पुष्टि के लिए स्क्रीनिंग टेस्ट किया जाता है। टीबी मरीज के खांसी के नमूने का प्रयोगशाला में परीक्षण किया जाता है, फेफड़े में टीबी के लक्षण की जांच के लिए छाती का एक्स रे किया जाता है। प्रति हजार जनसंख्या पर सभी सीएचओ एएनएम को कम से कम 30 जाँच कराना ही कराना है।

इस दौरान शशिकला, सविता पाण्डेय, बिंदुबाला, संगीता पाण्डेय, प्रीती पाण्डेय, सुचेता सिंह, निधि, सरिता तिवारी, सुमन पाल, निधि शुक्ला, पूनम पाल, कुमारी शीला, प्रियंका द्विवेदी, कल्पना मौर्या, प्रीती, अनीता चौधरी, पूजा वर्मा, कविता गौतम, प्रीती यादव, शिवांक, इन्द्रा राई, पाखी, सुप्रिया, रवि सोनकर, विजय पाल, प्रवीण पाण्डेय, सुनील वर्मा, बब्ली भारती, प्रियंका यादव, अंजली सिंह, पुन्नी लाल, उदय प्रताप शुक्ला, मृगेन्द्र पाण्डेय सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

किसके संरक्षण में कागजों में चल रहा है मनरेगा का कार्य..!

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कलवारी (बस्ती)। जरूरतमंदों को गांव में ही काम मिले इसे लेकर सरकार द्वारा ग्राम पंचायत स्तर पर मनरेगा योजना चलाया जा रहा। जिसके तहत ग्राम पंचायतों में जाबकार्ड धारकों गांव में ही सौ दिन कार्य दिया जाता है। किन्तु सचिव, जेई व रोजगर सेवक के सह पर ग्राम प्रधान द्वारा मनरेगा योजना में खेला किया जा रहा है। कागजों में मनरेगा कार्य चलाया जा रहा है और कार्य मजदूरों के बजाय मशीन से कराया जा रहा है। ग्राम प्रधान द्वारा खुले तौर पर विभागीय संरक्षण में गरीबों हक पर डाका डाला जा रहा है। किंतु विभागीय जिम्मेदार मौन साधे हुए हैं।

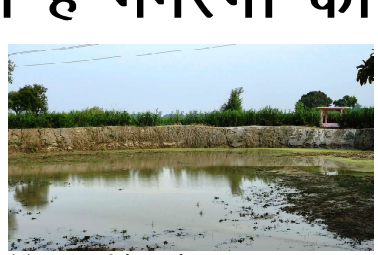

पूरा मामला विकास क्षेत्र बहादुरपुर के ग्राम पंचायत अक्सड़ा का है। जहां रामसजीवन के खेत के पास तालाब की खुदाई व सफाई कार्य, राजमन के खेत से रामदीन के खेत तक चकबंध निर्माण व गुसाईं के खेत से मनोज के खेत तक कुल 3 कार्य पर सौ से अधिक लेबर महज कागजों में चलाये जा रहे हैं। राष्ट्रीय सहारा की टीम ने जब हकीकत जानने का प्रयास किया तो मौके पर एक भी लेबर कार्य करते नहीं पाए गए। जबकि सौ से अधिक लेबरों की ऑनलाइन हाजिरी हर रोज लगाई जा रही है। वहीं तालाब खुदाई व सफाई मामले में जेसीबी मशीन से कार्य करवाये जाने की बात सामने आई।

पूछे जाने पर ग्राम प्रधान ने मशीन से कार्य करवाये जाने की बात मानते हुए बताया कि वर्क लंबा होने के कारण जेसीबी से कार्य करवाया गया है। वहीं मौके पर जिस तालाब पर कार्य चल रहा था उसमें पानी भरा मिला। अब सवाल उठता है कि जिस तालाब में पानी भरा है उस पर मस्टररोल कैसे चल रहा है।

सचिव दीपक कुमार से जब कागजों में मस्टररोल चलने की जानकारी लेने का प्रयास किया गया तो उन्होंने बताया कि मस्टररोल चलने की उन्हें कुछ जानकारी ही नहीं है। अक्सडा ग्राम पंचायत में कितने वर्क चल रहे हैं इसे सचिव नहीं बता पाए और न लेबरों की संख्या ही बता पाए। कहा कि जानकारी ली जाएगी अगर कार्य होता नहीं मिला है तो इसे भी देखा जाएगा।

पूछे जाने पर बीडीओ आलोक कुमार पंकज ने बताया कि मामला संज्ञान में नहीं था बिना कार्य करवाये अगर मस्टररोल चलाया जा रहा है तो इसकी जांच करवाते हुए आवश्यक कार्यवाई की जाएगी।

“मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता”—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 29 जून 2024 शनिवार

सम्पादकीय

टोल टैक्स वसूली और सुविधायें

इस बात में कोई दो राय नहीं हो सकती कि गुणवत्ता की सेवा दिए बिना कोई टैक्स वसूलना उपभोक्ता के साथ अन्याय है। यह बात हर सरकारी व निजी महकमे पर लागू होती है। लेकिन यथार्थ में ऐसा होता नहीं है और बेहतर सेवा के बिना टैक्स वसूलने के खिलाफ लोग लोक अदालतों से लेकर विभिन्न अदालतों के दरवाजे खटखटाते रहते हैं। बहरहाल, यह बात सर्वविदित है, लेकिन केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के हालिया बयान ने इस बहस को तेज किया है। अपनी बात को बेबाकी से कहने वाले नितिन गडकरी ने अधिकारियों को दो टूक शब्दों में कहा कि यदि सड़कें अच्छी हालत में न हों और लोगों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हो, तो राजमार्ग पर एजेंसियों द्वारा टोल टैक्स वसूलने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने कहा कि टोल टैक्स वसूलने से पहले हमें अच्छी सेवाएं देनी चाहिए। लेकिन हम अपने आर्थिक हितों की रक्षा के लिये टोल टैक्स वसूलने की जल्दी में रहते हैं। केंद्रीय भूतल परिवहन मंत्री ने स्वीकारा कि सड़कें अच्छी नहीं होने पर तमाम शिकायतें हमें मिलती हैं। दूसरी ओर सोशल मीडिया पर लोग अपना गुस्सा जाहिर करते हैं। सही मायनों में गुणवत्ता की सड़क प्रदान करने पर ही हमें टोल वसूलने का अधिकार मिलता है। जाहिर सी बात है कि गड्ढों व कीचड़ वाली सड़कों पर टैक्स वसूलने पर पब्लिक की नाराजगी स्वाभाविक रूप से सामने आएगी। निस्संदेह, परिवहन मंत्री की स्वीकारोक्ति एक अच्छा कदम है और हर विभाग के मंत्री को अपने अधीनस्थ विभागों की कारगुजारियों पर नजर रखनी चाहिए। मंत्री को विभाग की खामियों पर पर्दा डालने के बजाय सेवा में सुधार की पहल करनी चाहिए। अब चाहे मामला राष्ट्रीय राजमार्गों पर कार्यरत एजेंसियों का हो या फिर बिजली—पानी जैसे मूलभूत जरूरतों वाले विभागों का, अधिकारियों को उपभोक्ताओं के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। साथ ही जरूरी है कि शिकायत दर्ज करने और शिकायतों के तुरंत निवारण हेतु एक स्वतंत्र तंत्र भी विकसित किया जाना चाहिए।

निस्संदेह, इसमें दो राय नहीं कि राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेस—वे आदि के बनने से यात्रियों का आवागमन सुविधाजनक हुआ है। लोगों के समय व वाहनों में पेट्रोल—डीजल में बचत हुई है। लेकिन कई स्थानों पर सड़कों की गुणवत्ता में कमी या सड़कों के निर्माण में तकनीकी खामियों का उजागर होना, उपभोक्ताओं को परेशान करता है। पहले राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल टैक्स चुकाने के लिये घंटों लाइन में लगना पड़ता था। कालांतर फास्टैग व्यवस्था से टोल कटने लगा। आज 98 फीसदी वाहनों में स्मार्ट टैग के माध्यम से निर्बाध यात्रा की जा रही है। आने वाले कुछ वर्षों में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम आधारित टोल संग्रह प्रणाली को अंजाम देने की तैयारी में है। जिसके बाद राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल गेटों की जरूरत नहीं रह जाएगी। फिर टोल प्लाजा पर गाड़ी धीमी करने व रोकने की भी जरूरत नहीं रहेगी। इसे देश में चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जाएगा। पहले व्यावसायिक वाहनों में इसका प्रयोग शुरू होगा। जिसके लिये वाणिज्यिक वाहनों में लिये वाहन ट्रैकर सिस्टम यानी वीटीएस स्थापित करना जरूरी होगा। कालांतर अगले चरण में निजी वाहन भी इस टोल प्रणाली के दायरे में लाए जाएंगे। सरकार को उम्मीद है कि इस प्रणाली के लागू होने से टैक्स चोरी रुकेगी और जीएनएसएस आधारित टोल संग्रह प्रणाली से सरकार के टोल राजस्व में दस हजार करोड़ रुपये की वृद्धि होगी। दरअसल, यह नया सिस्टम न केवल सही ट्रैकिंग कर पाएगा बल्कि यह राजमार्ग पर उपयोग की गई दूरी के आधार पर सटीक टोल गणना भी करेगा। बहुत संभव है आने वाले वर्षों में कार निर्माता कंपनियां अपने वाहनों पर ट्रैकिंग डिवाइस लगाएं। प्रारंभ में इस सिस्टम को प्रमुख हाईवे व एक्सप्रेस—वे पर लागू किया जाएगा। जिसमें तय की गई दूरी के आधार पर ओबीयू से लिंक किए गए बैंक खाते से टोल टैक्स की राशि स्वतरू कट जाएगी। निश्चित रूप से इस नये सिस्टम से भविष्य में टोल प्लाजा की आवश्यकता न होगी, लोगों का समय भी बचेगा। लेकिन सरकार ध्यान रखे कि सड़कों की गुणवत्ता को बनाये रखना पहली प्राथमिकता बनी रहे।

राहुल गांधी की बढ़ती राजनीतिक ताकत

—ललित गर्ग—

राहुल गांधी इस बार उत्तर प्रदेश के रायबरेली लोकसभा क्षेत्र से निर्वाचित हुए हैं। इससे पहले वह लोकसभा में केरल के वायनाड और उत्तर प्रदेश के अमेठी का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। वह पांचवीं बार लोकसभा पहुंचे हैं। इस बार के लोकसभा चुनाव ने कांग्रेस पार्टी को पुनर्जीवन दिया है। राहुल गांधी लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता बन गये हैं, यह उनका पहला संवैधानिक पद है, इससे पहले वे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे हैं। इस बड़े पद के साथ उनकी जिम्मेदारियां भी बढ़ जायेंगी। दस वर्षों बाद लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता का पद मिला है। वैसे इस बार के चुनाव एवं चुनाव में मिली शानदार जीत के बाद राहुल गांधी का न केवल आत्मविश्वास बढ़ा है, बल्कि उनमें राजनीतिक कौशल एवं परिपक्वता भी देखने को मिल रही है, इससे यह प्रतीत होता है कि वे प्रतिपक्ष नेता के पद के साथ न्याय करते हुए अपनी राजनीति को चमकायेंगे एवं रसातल में जा चुकी कांग्रेस को सुदृढ़ करेंगे। वैसे देखा गया है कि प्रतिपक्ष के नेता बनने वाले अधिकांश लोग प्रधानमंत्री तक पहुंचे हैं। लेकिन राहुल गांधी को इसके लिये अभी लम्बा संघर्ष करना होगा, परिपक्व राजनीति एवं देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी को साबित करना होगा। निश्चित ही राहुल गांधी का कद बढ़ा है और अब वे स्वल्प समय में ही कद्दावर नेता की तरह राजनीति करने लगे हैं। राहुल को देशभर में निकाली यात्राओं एवं चुनाव प्रचार में निभाई सशक्त भूमिका ने मजबूती दी है। राहुल की राजनीति को चमकाने में कन्याकुमारी से कश्मीर तक की 'भारत जोड़ो यात्रा' के अलावा मणिपुर से मुंबई तक की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अब प्रतिनेता के रूप में उनकी एक नई यात्रा शुरु हो रही है जो उन्हें नई राजनीतिक ऊंचाई दे सकती है।

देश को 10 साल बाद राहुल गांधी के रूप में विपक्ष का नेता मिला है, जो संसदीय राजनीति के लिए एक अच्छी खबर है। इससे लोकतंत्र को मजबूती मिलेगी एवं जनता की आवाज को जोरदार तरीके से उठाने एवं सरकार की नीतियों—योजनाओं पर तीखी नजर रखने एवं प्रभावी सवाल उठाने की स्थितियों को बल मिलेगा। लेकिन विपक्ष की नुमाइंदगी का मतलब यह नहीं कि वह हर मामले में सत्ता पक्ष के खिलाफ हो, बल्कि यह है कि वह हमेशा जनता के साथ हो और उसकी ओर से मुद्दे उठाए। नेता प्रतिपक्ष पद से सरकार के साथ ही विपक्ष पर भी जवाबदेही का दबाव बढ़ता है। राहुल की सुविधाएं बढ़ने के साथ जिम्मेदारियां भी बढ़ गयी है। 16वीं और 17वीं लोकसभा में कांग्रेस या अन्य विपक्षी दलों के पास इस पद के लिए आवश्यक 10 प्रतिशत सदस्य नहीं थे। कांग्रेस ने इस बार लोकसभा चुनाव में 99 सीट जीतकर इस पद को हासिल किया है। नेता प्रतिपक्ष के तौर पर राहुल गांधी केंद्रीय सतर्कता आयोग, केंद्रीय सूचना आयोग और राष्ट्रीय मानवाधिकार से जुड़े चयन के अलावा लोकपाल, मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) निदेशक जैसी प्रमुख नियुक्तियों पर महत्वपूर्ण पैनल के सदस्य भी होंगे। प्रधानमंत्री इन पैनल के प्रमुख होते हैं। नेता प्रतिपक्ष के रूप में राहुल गांधी को लोकसभा में पहली पंक्ति में सीट मिलेगी। यह सीट डिप्टी स्पीकर की सीट के बगल वाली होगी। इसके अलावा संसद भवन में सचिवीय तथा अन्य सुविधाओं से युक्त एक कमरा भी मिलेगा। विपक्ष के नेता को औपचारिक अवसरों पर कुछ विशेषाधिकार भी प्राप्त होते हैं। एक केन्द्रीय मंत्री को मिलने वाली सभी सुविधाएं राहुल गांधी को मिलेगी।

राहुल गांधी इस बार उत्तर प्रदेश के रायबरेली लोकसभा क्षेत्र से निर्वाचित हुए हैं। इससे पहले वह लोकसभा में केरल के वायनाड और उत्तर प्रदेश के अमेठी का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। वह पांचवीं बार लोकसभा पहुंचे हैं। इस बार के लोकसभा चुनाव ने कांग्रेस पार्टी को पुनर्जीवन दिया है। इस बार के चुनाव परिणाम ने कांग्रेस एवं उसके नेता राहुल को मनोवैज्ञानिक लाभ पहुंचाया है, जो उनके लिए एक बड़ी उपलब्धि बनी है। इससे कांग्रेस ने अपना आत्मविश्वास फिर से पा लिया है, जो कोई छोटी बात नहीं। और यह राहुल और प्रियंका गांधी की गतिविधियों में साफ झलकता है। साथ ही, अब इस बात को लेकर भी कांग्रेस में कोई दुविधा नहीं रह गई है कि गांधी परिवार ही सर्वोच्च है और पार्टी पर उसका पूरा नियंत्रण होगा। इसका यह भी मतलब है कि टीम—राहुल का सभी मामलों में फैसला अंतिम होगा।

पार्टी अध्यक्ष पद छोड़ने के बाद से राहुल के पास कांग्रेस की कोई जिम्मेदारी नहीं थी। सदन के भीतर पहली बार वह कोई पद संभालने जा रहे हैं। ऐसे में राहुल के सामने चुनौती होगी कि वह किस तरह पूरे विपक्ष को साथ लेकर चलते हुए रचनात्मक विरोध की भूमिका को आकार देते हैं। कांग्रेस का सबसे बड़ा काम दलित और पिछड़े मतदाताओं ने यूपी में जो उनकी मदद की है, उनका विश्वास बनाए रखने का है। यह बड़ी सचाई है कि आज भी देश के महत्त्व के राज्यों में भाजपा को क्षेत्रीय दल शिकस्त दे रहे हैं। अगर क्षेत्रीय दलों के साथ कांग्रेस का गठजोड़ बना रहे, तो ही भाजपा पर दबाव आएगा। बड़ा सच यह भी है कि न भाजपा बदली है ना उसकी विचारधारा। भाजपा एवं नरेन्द्र मोदी को भले ही चुनावों में पूर्ण बहुमत न मिला हो, लेकिन वह ही आज ताकतवर है। यह भी समझना होगा कि भाजपा विपक्ष की ताकत से नहीं, बल्कि सरकार की बड़ी गलतियों एवं पार्टी के अति उत्साह से नुकसान में पहुंची है।

यह भी एक तथ्य है कि मुस्लिमों के सक्रिय—समर्थन के बिना कांग्रेस को कामयाबी नहीं मिल सकती थी। निश्चित ही मुसलमानों के वोट की अहमियत कुछ—कुछ सीटों पर हार—जीत का फैसला कर गई है। भाजपा अपनी आगे की रणनीति इसी आधार पर बनाएगी और वो पिछले चुनावों के जैसी ही होगी। मतलब कि भाजपा कोई नई भाषा नहीं बोलने वाली है। वह आरोप लगाती रहेगी कि कांग्रेस अल्पसंख्यकों का तुष्टीकरण करती है। कांग्रेस के सामने चुनौती होगी कि वो इस आरोप को अपने पर आने न दे, ताकि भाजपा हिंदुओं के हितों की एकमात्र रक्षक है, ऐसा दावा ना कर सके। कांग्रेस को इस हिंदू—मुस्लिम राजनीतिक बवंडर से बचने के लिये अपनी रणनीति को बनाना होगा। बिना हिन्दू वोट के कांग्रेस सफल राजनीति पारी नहीं खेल सकती है। इसके साथ ही कांग्रेस को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सफलता और निष्फलता का सही आकलन कर लेना जरूरी है। जनता के समक्ष अपना आत्मविश्वास बढ़ाए रखना अच्छी बात है, लेकिन मोदी आज जिस जमीन पर खड़े हैं, जनता के बीच उनकी जो स्वीकार्यता है उसका सही आकलन करना कांग्रेस की आगे की रणनीति के लिए बेहद जरूरी होगा।

राहुल गांधी सदन में विपक्ष की मजबूत आवाज बनकर उभरेंगे, इसमें सन्देह नहीं है। पक्ष एवं विपक्ष के बीच एक संतुलन बनना लोकतंत्र की खूबसूरती है एवं अपेक्षा भी है। नेता प्रतिपक्ष के रूप में विपक्ष के नेता की प्रमुख भूमिकाओं में से एक सरकार की नीतियों पर 'प्रभावी' सवाल उठाना है। विपक्ष के नेता की भूमिका वास्तव में बहुत चुनौतीपूर्ण होती है क्योंकि उसे सरकार की विधायिका और जनता के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित करनी होती है। नेता प्रतिपक्ष के रूप में उन्हें सरकारी प्रस्तावों—नीतियों के विकल्प प्रस्तुत करने होते हैं। निश्चित तौर पर आने वाले दिनों में राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्ष अलग एवं ऊंचे स्तर पर अपने तेवर दिखा सकता है। सरकार के लिए कोई भी बिल पास कराना अब इतना आसान नहीं होगा। मोदी की स्थिर सरकार देने की जद्दोजहद के बीच मोदी और राहुल के बीच की टकराव की संभावनाओं को नकारा नहीं जा सकता है, लेकिन बावजूद इसके सदन में सकारात्मक वातावरण बना रहना भी जरूरी है। स्थिर सरकार देश की बड़ी जरूरत है, राजनेताओं से उम्मीद की जाती है कि एक बार जनादेश आने के बाद वे चुनावी दौर की कड़वाहट एवं आरोप—प्रत्यारोप की छिछालेदार राजनीति को भुलाते हुए जनता के हित में मिलकर काम करें। इस बार भी चुनाव में अपनी—अपनी पार्टियों के प्रचार की अगुआई करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी ने एक—दूसरे पर खूब हमले बोले हैं। अब उन बातों को पीछे छोड़ते हुए उन्हें बेहतर तालमेल वाले कामकाजी रिश्ते कायम करते हुए देशहित को सामने रखना होगा। राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठना होगा।

मुस्लिम महिलाओं के साथ सौतेला व्यवहार

—जूलियो रिबैरो—

मैं हर्ष मंदर का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं जो एक भूतपूर्व आई.ए.एस. अधिकारी हैं, जिन्होंने 2002 में गुजरात सरकार द्वारा निर्दोष मुसलमानों के नरसंहार को नियंत्रित करने के अपने राजधर्म को निभाने में विफल रहने के विरोध में इस्तीफा दे दिया था। मुझमें हर्ष जैसा साहस नहीं है और न ही मुझमें कभी उस स्तर का साहस था। हर्ष ने अपने असंख्य प्रशंसकों को, जिनमें मैं भी शामिल हूं बताया कि उनका अगला लेख 'हाल के चुनावों में भारतीय मुसलमानों के राजनीतिक दानवीकरण, विलोपन और परित्याग' के विषय पर होगा। उन्होंने इसे 'अपरिचित होने का संकट' कहा। उत्तर प्रदेश में मतदान के दौरान हुई एक घटना ने मेरा ध्यान खींचा। एक आधुनिक, शिक्षित, मुस्लिम लड़की अपनी बहन के साथ बूथ पर आई। बूथ पर ड्यूटी पर मौजूद अधिकारियों ने अपने पास मौजूद सूचियों के पन्नों को देखा और लड़कियों को बताया कि उनका नाम उसमें नहीं है।

जिस लड़की ने इस घटना की सूचना दी, वह मतदाता सूची की जांच के लिए पहले ही केंद्र पर गई थी। उसका और उसकी बहन का नाम सूची में था। उसने दोबारा जांच की मांग की, जो अधिकारियों ने की। उनके नाम सूची में थे। लड़कियों ने अपने अधिकार और कर्त्तव्य के रूप में मतदान किया। वे पढ़ी—लिखी लड़कियां थीं, उन्हें अपनी क्षमताओं पर भरोसा था। मतदान केंद्र से बाहर निकलने पर उन्हें बुर्का पहने महिलाओं का समूह मिला, जिन्हें बताया गया था कि वे मतदान नहीं कर सकतीं क्योंकि उनका नाम सूची में नहीं है। वे हमारी लड़की की तरह समझदार नहीं थीं कि अपनी बात से पलट जातीं। भाजपा जानती थी कि अल्पसंख्यकों का वोट उनके खिलाफ जाएगा। ऐसी अफवाह थी कि उन्होंने जीत सुनिश्चित करने के लिए अलग—अलग तरीके अपनाए। फिर भी भाजपा शासित उत्तर प्रदेश में यह विफल रहा।

चुनाव आयोग को साहसी लड़की की शिकायत पर कार्रवाई करनी चाहिए थी। मैंने खुद इसे इंटरनेट पर पढ़ा। चुनाव आयोग ने इस पर कोई कार्रवाई नहीं की। ऐसे स्पष्ट चुनावी अपराधों की जांच के लिए नैट और सोशल मीडिया को कवर किया जाना चाहिए था, खासकर तब जब इसमें चुनाव ड्यूटी पर मौजूद अधिकारी शामिल थे। मैं हर्ष से सहमत हूं कि मोदीशाह की भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद भारतीय मुसलमानों की स्थिति डांवाडोल हो गई है। भाजपा की प्रचार टीम इस बात से इन्कार कर सकती है ताकि पार्टी की पीठ थपथपाई जा सके और पश्चिमी ताकतें, जिनके साथ हम अब जुड़े हुए हैं, हमारी सरकार के बारे में अच्छा सोचें। लेकिन मुस्लिम समुदाय अपनी छवि बदलने के लिए बहुत कुछ कर सकता है।

यह देखना वाकई दुखद है कि भारत में असंख्य मुस्लिम महिलाओं को जानबूझ कर पिछड़ा रखा जाता है और उनके साथ संपत्ति जैसा व्यवहार किया जाता है। मैं भारतीय मुस्लिम महिलाओं की बात कर रहा हूं। मैं खास तौर पर गरीबी में जी रहे परिवारों की गरीब, अशिक्षित महिलाओं की बात कर रहा हूं। व्यक्तिगत रूप से, मेरे कई मुस्लिम दोस्त हैं,लेकिन वे विशेषाधिकार प्राप्त, संपन्न वर्ग से संबंधित हैं जो मेरी तरह सोचेंगे और जीवन को वैसे ही जीएंगे जैसे मैं सोचता हूं। मैं अभी नैटफ्लिक्स पर 'ब्लैक मनी' नामक एक तुर्की धारावाहिक देख रहा हूं। मुस्तफा कमाल अतातुर्क द्वारा शुरू किए गए सुधारों के बाद उस इस्लामी देश में महिलाएं पूरी तरह से आजाद हो गई हैं।

भारत में मुस्लिम समुदाय को आंतरिक सुधार शुरू करने की जरूरत है। सबसे पहले यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनकी सभी महिलाएं साक्षर बनें। इसे आगे बढ़ना चाहिए और सुनिश्चित करना चाहिए कि वे शिक्षित हों और खुद के लिए सोचने में सक्षम हों। केरल ने सौ प्रतिशत साक्षरता हासिल कर ली है। इसने मानव प्रजनन दर को नियंत्रित करने में सफलता प्राप्त की है। कांग्रेस के खिलाफ भाजपा का मुख्य आरोप यह था और आज भी है कि कांग्रेस ने वोटों के लिए मुस्लिम समुदाय को लाड़—प्यार दिया। गरीब मुसलमान, पुरुष और महिलाएं आज भी उतने ही असहाय और वंचित हैं जितने पहले थे। मुस्लिम समुदाय में मजबूत नेता उभरने चाहिएं जो मुल्लाओं के 'फतवों' को चुनौती दें।

महिलाओं को पराधीन रखना और उन्हें भिक्षुओं के वस्त्र पहनने के लिए मजबूर करना जैसे सभी रूढ़िवादी प्रथाएं समाप्त होनी चाहिएं। कोई भी समुदाय जो महिलाओं को पिछड़ा रखता है, आज की अत्यधिक प्रतिस्पर्धी दुनिया में आगे नहीं बढ़ सकता। जब अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री बने तो वे चाहते थे कि मैं जम्मू—कश्मीर का राज्यपाल बन जाऊं। मैं उनसे दिल्ली में उनके निवास पर मिला और अपने जन्म के शहर में शांति और सद्भाव सुनिश्चित करने के लिए जो काम कर रहा था, उसका विवरण उन्हें दिया। लंदन से फारूक अब्दुल्ला ने मुझे जो 2 फोन कॉल किए, उनमें मुझे वही विवरण दोहराना पड़ा। हालांकि सबसे मुश्किल लोग प्रधानमंत्री या जम्मू—कश्मीर के मुख्यमंत्री नहीं थे, बल्कि पुलिस पदानुक्रम में तत्कालीन पितामह के.एफ. रुस्तमजी थे, जो बी.एस.एफ. और सरकार से सेवानिवृत्त होने के बाद मुंबई में अपनी पत्नी के पारिवारिक फ्लैट में रहते थे।

प्रधानमंत्री ने रुस्तमजी को मुझे अपना प्रस्ताव स्वीकार करने के लिए मनाने का काम सौंपा था। रुस्तमजी को 'नहीं' कहना एक कठिन काम था, लेकिन श्रीमती रुस्तमजी मेरी मदद के लिए आईं। उन्होंने समझाया कि हमारे (उनके और मेरे) शहर में सांप्रदायिक शांति की अवधारणा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मैंने मोहल्ला समिति के कार्यकर्त्ताओं से इस बारे में बात की, जब वे कुछ दिन पहले ही मेरा 95वां जन्मदिन मना रहे थे। वे इस बात से बहुत खुश थे कि उनके गुरु ने उनके काम को राज्यपालों के चेहरों पर मुस्कान ज्यादा अहमियत दी है। अटल बिहारी के शासन में राज्यपालों को विपक्षी सरकारों को गिराने का काम नहीं सौंपा जाता था। यह सम्मान की बात थी। लेकिन झुग्गी—झोंपड़ियों में रहने वाले लोगों के चेहरों पर मुस्कान ज्यादा आकर्षक थी। पूर्व डी.जी.पी. पंजाब व पूर्व आई.पी.एस. अधिकारी)

ओवैसी द्वारा 'फिलिस्तीन का नारा' क्यों

—रजनीश कपूर—

लोकसभा की सदस्यता की शपथ लेते समय हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने एक ऐसा नारा लगाया जिस पर पूरा देश चौंक गया। उन्होंने 'जय भीम', 'जय मीम', 'जय तेलंगाना' और 'जय फिलिस्तीन' का नारा लगाया। जहां तक 'जय भीम' और 'जय तेलंगाना' जैसे नारों की बात है तो ये देश की सीमाओं के दायरे में आते हैं। पर एक—दूसरे देश की जयकार बोलना, वह भी संसद के भीतर,यह किसी के गले नहीं उतरा। ओवैसी ने एक बहुत ही गलत परंपरा की शुरुआत की है। आने वाले वर्षों में कोई सांसद 'जय अमरीका', 'जय पाकिस्तान' या 'जय चीन' का भी नारा लगा सकता है। इस तरह भारत की संसद संयुक्त राष्ट्र का अखाड़ा जैसी बन जाएगी। इसलिए इस खतरनाक प्रवृत्ति पर लोकसभा और राजसभा के अध्यक्षों को फौरन रोक लगानी चाहिए।

सब जानते और मानते हैं कि भारत एक धर्म निरपेक्ष राष्ट्र है। धर्म निरपेक्ष का मतलब नास्तिक होना नहीं है बल्कि इसका भाव है, सर्वधर्म सम्भाव, यानी हर धर्म के प्रति सम्मान का भाव। पर देखने में यह आया है कि भारत में रहने वाले मुसलमानों और हिंदुओं के कुछ नेता सांप्रदायिकता को भड़काने के उद्देश्य से धार्मिक उन्माद बढ़ाने वाले नारे लगवाते हैं। जिससे उनके वोटों का ध्रुवीकरण हो। जहां एक तरफ बरसों से मुसलमानों को अल्पसंख्यक बता कर उनके पक्ष में ऐसे काम किए गए जो संविधान की मूल भावना के विरुद्ध थे। जैसे रमजान में सरकारी स्तर पर इफ्तार की दावतें आयोजित करना। अगर ऐसी दावतें अन्य धर्मों के उत्सवों पर भी की जातीं तो किसी को बुरा नहीं लगता। पर ऐसा नहीं हुआ। नतीजा यह हुआ कि हिंदुत्व की राजनीति करने वालों को अपने समर्थकों को उकसाने का आधार मिल गया।

शायद इसी का परिणाम है कि पिछले 10 वर्षों में भाजपा के सांसदों और विधायकों ने संसद और विधानसभाओं में जोर—जोर से व सामूहिक रूप से धार्मिक नारे लगाना शुरु कर दिया। इसका परिणाम यह रहा है कि अब मुसलमानों के बीच भी उत्तेजना और आक्रामकता पहले से ज्यादा बढ़ गई है। जबकि यह एक खतरनाक प्रवृति है, जिसे सख्ती से रोका जाना चाहिए वरना समाज में गतिरोध और हिंसा बढ़ेगी। वैसे इस तरह का वातावरण असली मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए भी तैयार किया जाता है। इसलिए समझदार हिंदू और मुसलमान अपने धर्म के प्रति आस्थावान होते हुए भी इस हवा में नहीं बहते हैं।

हिंदुत्व का समर्थक कोई पाठक मुझसे तर्क कर सकता है कि हिंदुस्तान में भाजपा के सांसदों और विधायकों को अगर हिन्दूवादी नारे लगाने से रोका जाएगा तो क्या हम फिलिस्तीन में जा कर ये नारे लगाएंगे? मेरा उत्तर है कि मैं एक सनातन धर्मी हूं और मेरा परिवार और पूर्वज शुरू से आर.एस.एस. से जुड़े रहे हैं। लेकिन पिछले 30 वर्षों में हिंदुत्व की राजनीति का जो चेहरा मैंने देखा है उससे मन में कई सवाल खड़े हो गए हैं। जब देश की आबादी 141 करोड़ है, इनमें से 97 करोड़ वोटर हैं। उनमें से केवल 36.6 प्रतिशत वोटरों ने ही इस चुनाव में भाजपा को वोट दिया है। मतलब ये कि कुल 111 करोड़ हिंदुओं में से केवल 35 करोड़ हिंदुओं ने भाजपा को वोट दिया तो भाजपा सारे हिन्दू समाज के प्रतिनिधित्व का दावा कैसे कर सकती है? चूंकि देश की आबादी में 78.9 प्रतिशत हिंदू हैं और उनमें से एक छोटे से हिस्से ने भाजपा को वोट दिया है। मतलब बहुसंख्यक हिंदुओं भाजपा की नीतियों से सहमत नहीं हैं। हम सब मानते हैं कि हमारा धर्म सनातन धर्म है। जिसका आधार है वेद, पुराण, गीता, भागवत, रामायण आदि ग्रंथ। क्या भाजपा इनमें से किसी भी ग्रंथ के अनुसार आचरण करती है? अगर नहीं तो वे कैसे हिंदू धर्म के पुरोधा होने का दावा करती हैं?

हमारे धर्म के 4 स्तंभ हैं, उन चारों पीठों के शंकराचार्य जिन्हें आदि शंकराचार्य जी ने सदियों पहले भारत के चार कोनों में स्थापित किया था। क्या भाजपा इन चारों शंकराचार्यों को यथोचित सम्मान देती है और इनके ही मार्ग निर्देशन में अपनी धार्मिक नीति बनाती है?

पेड़ से लटका मिला युवक का शव परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

संवाददाता—देवरिया। देवरिया जिले के भटनी क्षेत्र के चांदपार गांव के समीप कोइलार नाले के पास शुक्रवार सुबह पेड़ से लटका एक युवक का शव मिला। जानकारी पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतारा तो युवक की पहचान चांदपार गांव निवासी के रूप में हुई। जांच में युवक का ढाई महीने पहले पड़ोस गांव के एक युवती से प्रेम विवाह करने का मामला सामने आया है। प्रेम विवाह से ससुराल पक्ष के लोग खुश नही थे और इसको लेकर अक्सर विवाद होता था। बुधवार को विवाद से परेशान पत्नी भी मायके चली गई। युवक नाराज पत्नी को मनाने गुरुवार शाम ससुराल गया था। हादसे के बाद युवक के परिजनों ने ससुराल पक्ष के लोगों पर हत्या का आरोप लगाकर थाने में तहरीर दी है। शिकायत पर पुलिस मामले में दो लोगों को हिरासत में पूछताछ कर रही है। भटनी थाना क्षेत्र के चांदपार गांव निवासी शराफत अली (23) पुत्र निक मोहम्मद गांवों में फेरी लगाकर आइसक्रीम बेचता था। इसी दौरान करीब एक साल पूर्व खुखुन्दू थाना क्षेत्र के बहोरवा मिश्र गांव निवासी एक युवती से उसको प्रेम हो गया। परिजनों से बचकर दोनों छुप कर मिलने लगे। प्रेम परवाह चढ़ा तो दोनों एक साथ जीने–मरने की कसमें खाकर शादी करने पर अड़ गए। हालांकि युवती के घर वाले शादी कराने को तैयार नही हुए, लेकिन युवती के जिद के आगे विवश होकर इस पर उन्होंने सहमति जता दी। इसके बाद अप्रैल महीने में शराफत और जरीना की शादी धूमधाम से हुई। लोगों ने बताया कि शादी के एक महीने बाद पति–पत्नी में विवाद होने लगा। इसको लेकर मायके और ससुराल पक्ष के लोगों में कई बार पंचायत हुई। इससे तंग आकर जरीना बुधवार को मायके चली गई। बृहस्पतिवार शाम गलती का एहसास होने पर शराफत पत्नी को मनाने बहोरवा मिश्र चला गया। अगले दिन सुबह शुक्रवार को चांदपार गांव के पास पेड़ की डाली में फंदे से झूलता उसका शव मिला। पुलिस शव को कब्जे में लेकर जांच में जुट गई। प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र सिंह ने बताया कि चांदपार गांव के पास पेड़ से लटका युवक का शव मिला है। शरीर पर कोई चोट का निशान नही है। जिससे आत्महत्या के कयास लगाए जा रहे है, लेकिन पोस्टमार्टम के बाद ही स्थिति समझ में आएगी। इसके अलावा परिजनों ने युवक के ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है। शक के आधार पर दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

दरगाह जेठ मेले में आखिरी चौथी कल

संवाददाता—बहराइच। सैय्यद सालार मसूद गाजी दरगाह में चल रहे सालाना जेठ मेले के पांचवे रविवार को आखिरी चौथियात की खास रस्म अदायगी होगी। दरगाह प्रबंधन कमेटी सदर अधिक्ता सैय्यद शमशाद अहमद ने प्रभारी मैनेजर हाजी अली मूल हक की देखरेख में समापन की भव्य तैयारियों की समीक्षा कर आवश्यक हिदायतें दी। सैय्यद सालार मसूद गाजी दरगाह में शुक्रवार को मेले के 30 दिन पूरे हो चुके हैं। शुक्रवार को अंदरूनी मस्जिद के शाही इमाम मौलाना अरशदुल कादरी ने मुल्क में अमन, चैन व खुशहाली की दुआओं के बाद दरगाह के गेट मेले में मेलार्थियों के लिए खोल दिए गए।

सड़क बनवा रहे ग्राम प्रधान से मारपीट, चली गोली दो घायल

संवाददाता—देवरिया। सड़क बनवा रहे ग्राम प्रधान को गांव के ही कुछ लोगों ने मारपीट कर घायल कर दिया। उसी दौरान पूछताछ करने पहुंचे ग्राम प्रधान के बड़े भाई पर आरोपियों ने गोली चला दी। इस घटना में ग्राम प्रधान समेत उनके बड़े भाई घायल हैं। गोली ग्राम प्रधान के भाई के हाथ में लगी है। घटना शुक्रवार की सुबह श्रीरामपुर थाना क्षेत्र के गोबरही उर्फ बासदेवपुर के टोला गौतमा की है। श्रीरामपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सभा गोबरही उर्फ बासदेवपुर के टोला गौतमा के ग्राम प्रधान राजकुमार सिंह कुशवाहा (50) शुक्रवार की सुबह करीब दस बजे ग्राम सभा के यादव टोला पर सड़क निर्माण का कार्य करवा रहे थे। जहां गांव के रामबली यादव पहुंच गए और प्रधान से पूर्व की रंजिश के मामले को लेकर को लेकर बात करने लगे। इसी बीच रामबली यादव के परिवार के भी कुछ लोग पहुंच गए और बातांकहीं करने लगे थोड़ी ही देर में मामला मारपीट में तब्दील हो गई। आरोपियों ने ग्राम प्रधान को मारपीट कर लहूलुहान कर दिया। घटना की जानकारी होने पर ग्राम प्रधान के बड़े भाई रामकृपाल सिंह कुशवाहा (58) वर्ष पुत्र सरजू भगत घटना की जानकारी लेने आरोपियों के दरवाजे पर पहुंचे। जहां आरोपियों ने उन पर भी हमला कर दिया। ईंट पत्थर चलाने लगी। आरोप है कि आरोपियों ने लाइसेंसी बंदूक से चार राउंड फायर किया जिसमें गोली लगने से ग्राम प्रधान राजकुमार के भाई रामकृपाल सिंह कुशवाहा घायल हो गए। गोली उनके बाया हाथ में लगी है। दोनों घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनकटा भेजा गया। घटना की जानकारी मिलने पर सीओ एसपी सिंह व थाना अध्यक्ष कल्याण सिंह सागर पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच कर घटना के बारे में जानकारी ली है। बताया जाता है कि दोनों पक्षों में पुरानी रंजिश को लेकर विवाद चल आ रहा था इसी विवाद को लेकर आज दोनों पक्षों में बवाल हो गया।

क्षेत्राधिकार एसपी सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस फोर्स के साथ घटनास्थल पर पहुंचा हूं। मामले की जांच की जा रही है। आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

जमुनहा में अजय कुमार और इकौना में पवन कुमार बने अध्यक्ष

संवाददाता—श्रावस्ती। तहसील अधिवक्ता संघ जमुनहा और इकौना का शुक्रवार को चुनाव कराया गया। जिसमें जमुनहा में अजय कुमार पाण्डेय तथा इकौना में पवन कुमार मिश्र को अध्यक्ष चुना गया। चुनाव जीते प्रत्याशियों का फूल माला से स्वागत किया गया।

जमुनहा तहसील अध्यक्ष पद के लिए अजय कुमार पांडेय को 46 मत मिले जबकि आरएन सिंह को 37 तथा शुभकरन शर्मा को छह वोट मिले। इससे अजय कुमार पांडेय को नौ मत से निर्वाचित घोषित किया गया। इसी तरह से महामंत्री पद के लिए हरीश कुमार यादव को 45 मत मिले व गुरुदयाल मार्गव को 44 मत मिले। इस आधार पर हरीश कुमार यादव को महामंत्री चुना गया। जबकि वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर कमलेश कुमार वर्मा, कोषाध्यक्ष पद पर बड़े लाल यादव, प्रकाशन मंत्री पद पर अरविंद कुमार यादव और आडिटर पद पर ध र्मेन्द्र कुमार यादव को निर्विरोध निर्वाचित किया गया।

वहीं तहसील अधिवक्ता संघ इकौना में भी शुक्रवार को मतदान कराया गया। जिसमें 139 मत में 137 मत पड़े। अध्यक्ष पद पर पवन कुमार मिश्रा को 104 मत मिले और विजय श्रीवास्तव को 31 मत मिले। जिसमें पवन कुमार को 73 मत से विजयी घोषित किया गया। इसी प्रकार से महामंत्री पद के लिए श्याम सुंदर मिश्रा को 38 मत और श्रीधर द्विवेदी को 97 मत मिले। जिसमें श्रीधर द्विवेदी को 59 मतों से विजयी घोषित किया गया। मतगणना के बाद अधिवक्ता संघ ने अध्यक्ष पद के निर्वाचित प्रत्याशी व महामंत्री को फूल माला पहनकर स्वागत किया। इस मौके पर दिलीप शर्मा, संजय सिंह, राम कुमार शुक्ला, राजेंद्र मिश्रा, विजय पांडेय ,ओमप्रकाश द्विवेदी, भरत लाल मिश्रा,सोनू शुक्ला, बिनोद कुमार यादव, राजू सिंह, राकेश पांडेय, रामदुलाल पाठक, गौरव शर्मा, शब्बीर आलम नईमी, हुकुमचंद त्रिपाठी,उदय राज पांडेय आदि मौजूद रहे।

मैत्री–संबंध नही भाव दशा का नाम है –आचार्य राधेश्याम शास्त्री

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। मैत्री संबंध नहीं, भाव दशा का नाम है उक्त बातें मणिरामदास छावनी की सेवा ट्रस्ट के पागल बाबा हाल में चल रहे सप्तदिवसीय श्रीमद् भागवत के समापन सत्र में आचार्य राधेश्याम शास्त्री जी महाराज ने कही, श्रीमद् भागवत कथा में महाराज जी ने सुदामा चरित्र का विस्तार से वर्णन करते हुए कहा कि श्री कृष्ण के लिए तीनों लोक का साम्राज्य देना बडाध काम नही है,लेकिन सुदामा के लिए तीन मुट्ठी चावल देना कठिन था, इसमें अगर दान दिया है तो सुदामा ने ही दिया है। इसमें दान कृष्ण का नहीं है। लेकिन आमतौर से हमें यही दिखाई पड़ता है कि दान कृष्ण ने दिया है। सुदामा क्या लाया था, तीन मुट्ठी चावल और फटे कपड़े में बांध कर लेकिन हमें पता नहीं कि सुदामा कितनी दीनता में जी रहा था। उसके लिए एक दाना भी जुटाना और लाना बड़ा कठिन था और कृष्ण के लिए तीन लोक का साम्राज्य देना भी कठिन नहीं था। इसलिए कोई कृष्ण ने सुदामा पर उपकार कर दिया हो, इस भूल में कोई न रहे। कृष्ण ने सिर्फ परिसपांस उत्तर दिया है और उत्तर बहुत बड़ा नहीं है। बड़े–से–बड़ा जो हो सकता था, उतना है। महराज जी ने बताया कि इसलिए तीन लोक के साम्राज्य की बात कही। बड़े–से–बड़े जो कल्पना है कवि की, वह यह है कि तीन लोक हैं और तीनों लोक का साम्राज्य है। लेकिन एक गरीब हृदय के पास, जिसके पास कुछ भी नही है, तीन चावल के दाने भी नहीं हैं, वह तीन मुट्ठी चावल ले आया है, उसे हम कब समझ पाएंगे।देने भी किसको गया है! कृष्ण को देने गया है, जिनके पास सब कुछ है। लेकिन प्रेम यह नहीं देखता कि आपके पास कितना है। आपके पास कितना ही हो तो भी प्रेम देता है। प्रेम यह मान ही नहीं सकता कि आपके पास पर्याप्त है।क्था विश्राम के बाद मुख्य यजमान विनोद कुमार सिन्हा, मदन कुमार सिन्हा, मिथिलेश कुमार सिन्हा विमलेश कुमार सिन्हा अनूप कुमार सिन्हा ने आरती उतारी और प्रसाद वितरण किया गया यह समस्त परिवार गोमो धनवान झारखण्ड से अयोध्या धाम में पधारे हुए है।

अयोध्या में हुई सनातन धर्म परिषद महिला प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। श्रीधाम अयोध्या के सोना देवी मार्ग पर स्थित बालाजी सेवा ट्रस्ट आश्रम में सनातन धर्म परिषद महिला प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष साध्वी प्रतिभा की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमें देश के कोने–कोने से आए हुए संस्था के सदस्य एवं पदाधिकारी सम्मिलित हुए। बैठकको संबोधित करते साध्वी प्रतिभा ने कहा कि महिलाओं बच्चियों को सशक्त बनाने के लिए सनातन धर्म परिषद कार्य कर रहा है महिला प्रकोष्ठ शक्तिवहिनी के द्वारा बच्चियों से लेकर महिलाओं को जिसमें कोई उम्र सीमा नहीं सभी प्रकार से प्रशिक्षित किया जाएगा जिससे वह समाज के अग्रिम पंक्ति में खड़ी हो। परिषद बिना भेदभाव के बिना जाति धर्म जाने भारत के विश्व के कई देश में कार्य कर रहा संगठन पूर्ण रूप से महिलाओं को सशक्त करेगा। बालाजी सेवा ट्रस्ट अयोध्या के मंडल अध्यक्ष महंत रामदास महाराज ने कहा कि वर्तमान समय में हमारे बच्चियों के ऊपर बहुत प्रकार से आघात हो रहे हैं उनको संरक्षित करना हमारा कार्य है निश्चित ही यह संगठन अपने उद्देश्य में सफल होगा। मुख्यातिथि परिषद के संस्थापक अध्यक्ष स्वामी अवधविहारी दास परिषद का उद्देश्य सनातन संस्कृति का प्रचार प्रसार संरक्षण है अयोध्या में महिला प्रकोष्ठ का उद्देश्य मात्र एक है की महिलाओं को सनातन धर्म से और उनका स्वयं से लड़ने को तैयार करना है। राष्ट्रीय सचिव अमर बहादुर तिवारी ने कहा कि अखंड भारत में महिलाओं को सशक्त करना ही महिला प्रकोष्ठ का दायित्व है जिस पर कार्य किया ज रहा है । परिषद के मुख्य समन्वयक मुख्य वक्ता कृष्ण गोपाल दास ने कहा कि परिषद का उद्देश्य सनातन संस्कृति के विकास के लिए संकल्प पूर्ण कार्य करना है। महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय सचिव किशोरी सिद्धि त्रिपाठी ने कहा कि नारी माता के साथ दुर्गा का भी रोल निभाती है लेकिन कभी–कभी वह भी कलनेमियो के झांसे में आ जाती है महिला प्रकोष्ठ अपने अन्य अनुषांगिक संगठनों के साथ सशक्त करेगा और प्रशिक्षित कर लड़ने के लिए तैयार करेगा। बिंदेश्वरी कनौजिया ने कहा कि सनातन धर्म की क्या पहचान मानव मानव एक समान के उद्देश्य से हमारा परिषद कार्य कर रहा है और निश्चित ही हम सब एक होकर के सनातन की रक्षा के लिए खड़े रहेंगे। बैठक में दर्जनों की संख्या में महिलाएं एवं पदाधिकारी उपस्थिते रहे।

पुजारी महंत सत्येंद्र दास के समर्थन में उतरे महंत शिवनारायण दास त्यागी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। श्री राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य अर्चक पुजारी महंत सत्येंद्र दास महाराज के समर्थन में उतरे अयोध्या श्री बालक भगवान राम लला मंदिर व श्री रमरमा बाबा सनातनी सेवा ट्रस्ट आश्रम के अध्यक्ष महंत शिवनारायण दास त्यागी महाराज ने प्रेस से मुखातिब कहा की श्री राम जन्मभूमि के पुजारी महंत सत्येंद्र दास महाराज आज से नहीं राममंदिर की पूजा कर रहे है जब भगवान टेंट में थे तब भी उन्होंने भगवान के ऊपर टपकते हुए पानी को देखा था और आज जब करोड़ सनातनियों के करोड़ों रुपए से मंदिर का निर्माण हो रहा है तब भी पानी टपकते हुए देखा और कुछ तथा कथित नेता उनके ऊपर सवाल उठा रहे हैं जो हमारे आदर्श हैं हम सब उनसे शिक्षा लेते हैं की संघर्ष कल में भी उन्होंने श्री राम लला की पूजा अर्चना करते रहे आज उनके ऊपर जो लोग सवाल उठा रहे हैं मैं उनकी निंदा करता हूं और कहता हूं सरकार कार्रवाई करें।

उन्होंने कहा कि वर्तमान देखा जाता है और मुख्य पुजारी जी प्रतिदिन मंदिर जाते हैं इस अवस्था में ऐसे में उनका अपमान या उनके बातों को खंडन करना संत समाजका अपमान है, जो नेता अयोध्या के बाहर बैठकर अनर्गल बातें कर रहे हैं क्या हुआ अयोध्या मंदिर में आकर के मंदिर की व्यवस्था को देखा है। उन्होंने कहा बातें करना आसान है किसी के ऊपर आरोप लगाना आसान है लेकिन कार्य करके दिखाना आसान नहीं है हमारे पुजारी जी ने किया है तो कहने का भी अधिकार है और करोड़ों सनातनियों को सच्चाई जानने का अधिकार है इसलिए जो लोग भी पुजारी जी का अपमान कर रहे हैं हम संत समाज से आग्रह करेंगे कि वह इस बात को बर्दाश्त ना करें, पुजारी जी का अपमान हम संतों का अपमान है।

कार्यालय जिला पंचायत राज अधिकारी बस्ती।

पत्रांक 1169 /7–पंचायत / स्व०भा०मि० (ग्रा०) / 2024–25 दिनाक 28 जून 2024

अल्पकालीन निविदा सूचना

मिशन निदेशक, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) उ०प्र० लखनऊ के पत्र सख्या–5/742/2024–5/34/20 लखनऊ दिनांक 12 जून 2024 में दिये गये निर्देशों के क्रम में जनपद बस्ती से जनपद–बुलन्दशहर के ग्राम पंचायत शहजादपुर कनैनी में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु निर्मित केन्द्र का अध्ययन करने हेतु दिनाक 04–07–2024 को जनपद से कुल 61 प्रतिभागियों एवं शेष 55 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण में भेजने हेतु निदेशालय स्तर से माह जुलाई 2024 में ही संभावित तिथि नियत करने के बारे में बताया गया है। इस प्रकार उपरोक्त दोनों यात्राओं में प्रतिभागियों को ले जाने एव ले आने हेतु बस एवं यात्रा के दौरान भोजन् पीने का पानी, चाय एवं नाश्ता की व्यवस्था हेतु इच्छुक फर्मों से शील बन्द लिफाफे में निम्न कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित किया जाता है।

1. ए०सी० बस क्रमशः 61 व 55 व्यक्तियों के बैठने की पुसबैक सुविधा के साथ।
2. यात्रा के दौरान क्रमश 61 व 55 व्यक्तियों का भोजन, चाय एवं नाश्ता की व्यवस्था।
3. यात्रा के दौरान क्रमशः 61 व 55 व्यक्तियों के लिये पीने के पानी की व्यवस्था।

निविदा की शर्ते निम्नवत है–

1. इच्छुक फर्मों द्वारा दिनांक 01.07.2024 को अपरान्ह 12:00 बजे तक शील बन्द लिफाफे में निविदा जिला पंचायत राज अधिकारी बस्ती के कार्यालय में निविदा बाक्स में डाला जावेगा। निविदा बाक्स में डाले गये शील बन्द लिफाफों को उसी दिन अपरान्ह 2:00 बजे निविदादाताओं की उपस्थिति में निविदा समिति द्वारा खोला जायेगा।
2. निविदा डालने वाली फर्म का जी०एस०टी० एवं आयकर में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। निविदा के साथ रजिस्ट्रेशन की स्वप्रमाणित प्रति लगाना अनिवार्य होगा।
3. निविदा के साथ रु० 5000.00 की धरोहर धनराशि का बैंक ड्राफ्ट अथवा एन०एस०सी० के रूप में संलग्न करना होगा।
4. बिना कोई कारण बताये निविदा को निरस्त करने का अधिकार जिला पंचायत राज अधिकारी बस्ती में निहित होगा।

जिला पंचायत राज अधिकारी बस्ती।

कार्यालय ग्राम पंचायत पचवस वि0ख0–विक्रमजोत जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा/ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 29–06 2024 से 02–07–2024 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 12.30 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 02–07–2024 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 2.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.स.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिटटी, छड़		
3	ईट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समर्सिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फर्नीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र		
11	नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खंडजा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, ह्यूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्ते– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(शैलेन्द्र सिंह) ग्राम प्रधान **(सुशील कुमार चौधरी)** ग्रा0प0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /22.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

कार्यालय, नगर पंचायत गनेशपुर, जनपद-बस्ती

पत्रांक /न0पं0गनेशपुर बस्ती/2024–25/ दिनांक जून 2024

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत गनेशपुर–बस्ती सीमान्तर्गत अपने मकानों के निर्माण एवं विध्वंस का मलबा C&D Waste खुले में न फेंककर नगर पंचायत से सम्पर्क कर अपना C&D Waste नगर पंचायत द्वारा चलायी जा रही गाडी में ही डलवायें, जिसका सदुप्रयोग निकाय स्तर से किया जायेगा। यदि कोई व्यक्ति / सस्था C&D Waste को पंचायत क्षेत्र में फेंकते हुए पाया जाता है तो निकाय द्वारा जुर्माना स्वरूप रु० 1000.00 से 5000.00 तक वसूला जायेगा।

अतः आप लोगो की सुविधा के लिए C&D Waste वेस्ट को उठाने के लिए नगर पंचायत कार्यालय से सम्पर्क करें।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पंचायत गनेशपुर–बस्ती

अध्यक्ष
नगर पंचायत गनेशपुर–बस्ती

पत्रांक– /एस०बी०एम०/न०पं०गनेशपुर–बस्ती/ 2024–25 दिनांक जून 2024

शासन की मंशा के अनुरूप कार्य करें बैंक–डीएम

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कलेक्ट्रेट सभागार में बैकों की डी.सी.सी./डी.एल.आर.सी. की बैठक की अध्यक्षता करते जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने कहा कि सभी बैंक शासन की मंशानुरूप कार्य करें। केन्द्र व राज्य सरकार के योजनाओं के कियान्वयन में पूर्ण सहयोग दें। जिलाधिकारी ने विभिन्न योजनाओं के लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति पर असंतोष व्यक्त किया। उन्होने कहा कि बैंक अधिकारी किसानों/आमजन व लाभार्थियों के प्रति संवेदनशील बनें।

उन्होने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार, एक जनपद एक उत्पाद की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उन्होने कहा कि आवेदन अधिक लम्बित होने पर यह माना जायेंगा कि बैंक अधिकारियों ने कार्य में रूचि नही ली है। उन्होने कहा कि युवाओं को स्वावलम्बि बनाने के लिए बैंको को योजनान्तर्गत ऋण आवेदनों को स्वीकृति प्रदान कर वितरण करना सुनिश्चित करें।

बैठक का संचालन लीड बैंक मैनेजर आर.एन. मौर्या ने किया। इसमें सीडीओ जयदेव सीएस, डीडीओ अजय सिंह, भारतीय रिजर्ब बैंक के सहायक प्रबंधक, डीडीएम नाबार्ड, उपायुक्त उद्योग हरेन्द्र प्रताप, मत्स्य के संदीप कुमार वर्मा, डूडा की सुनीता सिंह, डीएसटीओ ईशा शर्मा विधायक प्रतिनिधि कप्तानगंज व सदर तथा सभी बैंको के जिला समन्वयक उपस्थित रहें।

संचारी रोगों पर नियंत्रण सर्वोच्च प्राथमिकता–रवीश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। संचारी रोगो तथा दिमागी बुखार पर प्रभावी नियंत्रण तथा इनका त्वरित एवं सही उपचार सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित द्वितीय जनपद स्तरीय अन्तर्विभागीय समन्वय समिति की बैठक में जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने कहा। इसके सफल आयोजन के लिए 12 विभागों को जिम्मेदारी दी गयी है। उन्होने कहा कि 01 जुलाई को जिला चिकित्सालय से संचारी वाहन जागरूकता रैली निकाली जायेंगी। संचारी रोग नियंत्रण अभियान 1 से 31 जुलाई तक तथा दस्तक अभियान 11 से 31 जुलाई 2024 तक संचालित किया जाएगा।

उन्होने कहा कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग इस अभियान का नोडल विभाग है, जो जनपद, तहसील, ब्लाक एवं ग्राम स्तर पर विभागीय अधिकारियों के बीच समन्वय स्थापित करके अभियान संचालित करें। अभियान के दौरान बुखार, इन्फ्लुएन्जा लाइक इलनेश (आईएलआई), क्षय रोग तथा कुपोषित बच्चों के प्राप्त सूची के अनुसार चिन्हित कर रोगियों का उपचार भी करायें।

उन्होने अभियान से संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि निर्धारित उत्तरदायित्व के अनुपालन में शिथिलता ना बरती जाय। उन्होने कहा कि नगर पालिका एवं नगर पंचायते मोहल्ला निगरानी समितियों के माध्यम से संचारी रोगो के साथ–साथ शुद्ध पेयजल, स्वच्छता, खुले में शौच न करना तथा मच्छरों के रोक–थाम के लिए जागरूकता के लिए कार्य करें।

उन्होने कहा कि वी0एच0एस0एन0सी0 के माध्यम से संचारी रोगो तथा दिमागी बुखार के रोकथाम के लिए सघन प्रचार–प्रसार कराया जाय। खराब इण्डिया मार्क टू हैण्डपम्प ठीक करा लिया जाय, जलाशय एवं नालियों की सफाई करा ली जाय, झाड़ियों की काट–छाट करा लिया जाय तथा मैलाथियान से फॉगिग करायी जाय। गॉव में कूडेदान की व्यवस्था भी करायी जाय।

उन्होने कहा कि उद्यान विभाग मच्छररोधी पौधे लगाये। सूचना विभाग सभी गतिविधियों का जनमानस में व्यापक प्रचार–प्रसार कराये। बैठक का संचालन करते हुए जिला मलेरिया अधिकारी आइ. ए. अंसारी ने बताया कि संबधित विभागो द्वारा अपनी माइक्रोप्लान उपलब्ध करा दी गयी है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जयदेव सीएस, सीएमओ डॉ. आर. एस. दुबे, एसीएमओ, डीडीओ अजय सिंह, डीआईओएस जगदीश शुक्ला, बीएसए अनूप तिवारी, समस्त बीडीओ, एमओआईसी तथा विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

संतकबीरनगर में 29 लाख 15 हजार 240 पौधे रोपित करने की योजना

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में इस वर्ष पौधरोपण अभियान का लक्ष्य पूरा करने के लिए हर विभाग अभी से तैयारी कर रहा है। इस वर्ष जनपद में 29 लाख 15 हजार 240 पौधे रोपित किए जाएंगे। इन पौधों के सापेक्ष वन विभाग ने 40 लाख से अधिक पौधों अपनी पौधशालाओं में तैयार कर लिया है। हालांकि अभी पौधरोपण अभियान करने की तिथि तो निर्धारित नहीं की गई है। लेकिनहर विभाग अभी से ही पौधों को लगाने के लिए गड्ढे की खुदाई करवा रहा है।

अभियान का सबसे बड़ा लक्ष्य वन विभाग के ही जिम्मे है। वन विभाग ने सभी विभागों की तुलना में सबसे अधिक गड्ढों की खुदाई करवाया है। बाकी विभाग भी पौधों को लगने के लिए गड्ढे खोद रहे हैं। पौधरोपण अधियान शुरू होने के तिथि निर्धारित होने के बाद जहां पौधों को लगाया जाएगा वहां की जियो टैगिंग कराई जाएगी। इससे यह पता लग सकेगा कि क्या पौधों को वास्तव में लगाया गया है। यदि दोबारा वहीं पर पौधों को लगाया जाय तो जीपीएस के द्वारा यह बताया जाएगा कि यहां पर एक बार पौधे लग चुके हैं। जहां पर पौधों को लगाया जाएगा वहां पर जानवरों से सुरक्षा के प्रबंध किए जाएंगे। जिले में वन विभाग के पास है कुल 21 नर्सरी हैं। इन दिनों वन विभाग के पौधशालाओं में 40 लाख पौधे तैयार किये जा चुके हैं। इस बार ग्राम्य विकास विभाग के द्वारा भी ग्राम पंचायतों में गड्ढे खोदने का कार्य किया जा रहा है। जिला वन अधिकारी अशोक कुमार सिंह ने कहा कि जिले में पौधरोपण अभियान की तैयारी की पूरी हो चुकी है। कुल 40 लाख पौधे तैयार किए गए हैं। शासन से तिथि का निर्धारण होते ही विभागों की मांग के अनुसार पौधे आवंटित किए जाएंगे

तराई में खतरे में है खेती, किसान परेशान

संवाददाता–सिद्धार्थनगर।

आषाढ़ झमाझम बारिश का महीना माना जाता है पर प्रथम सप्ताह बीतने के बाद भी तराई में अभी तक ऐसी जोरदार बारिश नहीं हुई जिससे लगे कि मानसून सक्रिय हो गया है। अलबत्ता लोगों को तेज धूप व प्रचंड उमस का सामना करना पड़ रहा है। पिछले कई दिनों से लोग तराई में भीषण गर्मी की चपेट में है। एक ओर जहां मौसम की मार से लोग जूझ रहे है वहीं बारिश न होने से खरीफ की प्रमुख धान की रोपाई भी पिछड़ रही है।

किसानों का कहना है कि शुरू में धान की नर्सरी डाल दी थी अब उसकी रोपाई नहीं हो पाने से बेहन भी खराब हो रहे हैं। प्रकृति तो किसानों को धोखा दे ही रही है। धरातल पर सिंचाई के लिए इजाद किए गए नहरें व नलकूप भी दगा दे रहे हैं। इलाके से होकर गुजरी अधिकांश नहरें सूखी हुई तो नलकूप भी खस्ताहाली में पड़े हुए है। ऐसे में पंपसेट मशीन से पानी निकाल कर धान की रोपाई करना व बेहन बचाना किसानों पर भारी पड़ रहा है। बारिश को लेकर किसान खासे चिन्तित है, प्रकृति उनका साथ नहीं दे रही है। अगर हालत ऐसे ही रहे तो खरीफ के उत्पादन पर इसका सीधा असर पड़ेगा। किसान इसको लेकर हैरान और परेशान हैं।

राज्य कृषि मौसम केंद्र के प्रभारी अतुल कुमार सिंह ने बताया कि सिद्धार्थनगर जिले में अभी तक औसत से कम बारिश हुई है। एक जून से 26 जून तक 131.1 मिमी बारिश होनी चाहिए थी। अभी तक सिर्फ 79.5 मिमी बारिश दर्ज की गई है जो औसत से 51.6 मिमी कम है।

किसानों का कहना है कि मौसम की तल्खी की वजह से इस बार धान के बेहन को बचाने के लिए मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। धान के बेहन में हर तीसरे दिन पानी चलाना पड़ा। एक बीघा बेहन में औसत पांच घंटे पानी लगते थे। निजी पंपसेट मशीन से पानी चलाने में लगभग पांच सौ रुपये खर्च आ रहे थे। किराए पर पानी चलवाने वाले किसानों को दोगुना खर्चा आ रहा था। फिलहाल दो–तीन दिनों से बूंदाबांदी व रिमझिम बारिश से किसानों को कुछ राहत मिली है।

बारिश नहीं होने से खेतों की नमी गायब थी। खेतों की जुताई नहीं कर पा रहे थे। पिछले दिनों हुई हल्की बारिश के बाद खेत में नमी आने पर अब खेत की जुताई कर रहे। वहीं जिन किसानों के बेहन तैयार हो गए है। वह खेत की जुताई के बाद धान की रोपाई भी कर रहे है। हालांकि मौसम की बेरुखी की वजह से धान की रोपाई अभी रफ्तार नहीं पकड़ पा रही है।

तराई में भीषण गर्मी का असर आम के फसल पर भी पड़ा है। आम का आकार छोटा होने के साथ स्वाद भी अपेक्षाकृत कम हो गया है।तीखी धूप और गर्मी के बीच बारिश नहीं होने से फलों में मिठास भी कम है। स्वाद अपेक्षाकृत कम है। आकार छोटा होने से उत्पादन कम हो गया है।

पुलिस मुठभेड़ में गैंगरेप के तीन आरोपियों को लगी गोली, पांच गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर।

जोगिया पुलिस, एसओजी व सर्विलांस की संयुक्त टीम ने शुक्रवार की भोर में बांसी–नौगढ़ मार्ग पर ककरही पुल के पास मुठभेड़ में 23 जून की देर रात जोगिया क्षेत्र में हुए गैंगरेप के आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मुठभेड़ में तीन आरोपितों के पैर में गोली लगी है। उनका उपचार जोगिया पीएचसी में चल रहा है।

एसपी प्राची सिंह ने बताया कि 24 जून को एक महिला ने जोगिया थाने पर तहरीर दी कि वह दिल्ली से अपने एक मित्र से मिलने आई थी। वह रविवार की देर रात मित्र के साथ बाइक से दिल्ली जाने के लिए बांसी से बस पकड़ने जा रही थी। क्षेत्र के बांसी–नौगढ़ मार्ग पर एक सूनसान स्थान पर चार से पांच की संख्या में पहुंचे आरोपितों ने उसके साथ गैंगरेप की। उस्का मोबाइल, पैसा, जेवर व सामान छीन ले गए। सूचना पर केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी गई। एसपी ने बताया कि घटना के शीघ्र खुलासे के लिए एसओजी, सर्विलांस व जोगिया पुलिस की एक टीम गठित कर लगा दी गई। टीम शुक्रवार की भोर में संदिग्धा बदमाशों की आने की सूचना पर बांसी–नौगढ़ मार्ग पर ककरही पुल के पास चेकिंग कर रही थी। चेकिंग के दौरान एक बाइक बांसी की तरफ से आता देखकर पुलिस टीम ने रोकने का प्रयास किया तो बाइक सवार हरैया बंधे की तरफ मोड़ दिया और अनियंत्रित होकर बाइक गिर गई। इसके बाद बाइक सवार तीन लोग भागने लगे तो पुलिस टीम ने घेर कर पकड़ने का प्रयास किया तो वह लोग पुलिस टीम पर फायरिंग करने लगे। पुलिस ने आत्मरक्षा में फायरिंग की तो तीनों बदमाश घायल होकर गिर गए। तीनों के पैर में गोली लगी है। पुलिस ने घायलों के पास से असलहे बरामद कर लिया। पुलिस की गोली से घायलों में राम गुलाम, जितेंद्र यादव व रामदीन पासवान हैं। एसपी ने बताया कि तलाशी के दौरान आरोपितों के पास से 24 जून की रात गैंगरेप की घटना से संबंधित पीड़िता से छीने गए मोबाइल फोन, आधार कार्य, ड्राइविगं लाइसेंस, पैसा बरामद हुआ। घटना के संबंध में थाने में धारा 307, 504, 506 व 3/25, 5\27 आर्म्स एक्ट के तहत गिरफ्तार कर घायलों को पीएचसी जोगिया ले जाया गया। पूछताछ में आरोपितों ने घटना में शामिल गोलू उर्फ मिथुन व अमन के बारे में बताया। इसके बाद उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि हम पांचों लोग मसिना में स्थित एक ढाबे से पार्टी करके दो बाइक से ककरही पुल की तरफ जा रहे थे। जोगिया उदयपुर थाने के आगे पहुंचे तो देखे की मेन रोड के किनारे एक आधा–अधूरा मकान के सामने एक बाइक खड़ी है। हम लोग उत्सुकता वश देखने के लिए रुक गए तो वहां कोई दिखाइ नहीं दिया। हम लोग मकान के अंदर जाकर देखे तो एक युवक व एक महिला सोये हुए थे। हम लोग उनका नाम पता पुछते हुए विडियो बनाने लगे और युवक को मारने लगे। इसके बाद युवक भाग गया। तब हम लोग महिला को कट्टे से डराकर जबरदस्ती बाइक पर बैठाकर नदी बंधे के रास्ते से हरैया गांव के पास पहुंचकर नदी के किनारे ले जाकर रेप किए। साथ ही उसके बैग में रखे मोबाइल, जेवर, पैसे निकाल लिए और उसको बाइक पर बैठाकर सड़क पर लाकर छोड़ दिए और हम लोग अपने घर चले गए। अगले दिन मिलकर हम लोग पैसा जेवर बांट लिए थे और रात में को पकड़े जाने के डर से नेपाल भाग रहे थे।

आरोपितों के पास से दो तमंचा 315 बोर, एक तमंचा 12 बोर, तीन कारतूस, चार खोखा, दो बाइक, दो आधार कार्ड, दो निर्वाचन कार्ड, दो एटीएम कार्ड, एक ड्राइविंग लाइसेंस, तीन एन्ड्रॉयड फोन, दो कीपैड मोबाइल फोन, 62 सौ रुपये व जेवरात बरामद हुए। आरोपित राम गुलाम पुत्र राम प्रसाद निवासी कोटिया थाना उस्का बाजार, जोगिया थाना क्षेत्र के तकियहवा निवासी जितेंद्र यादव पुत्र संकटा प्रसाद यादव, डड़िया सूपाराजा निवासी रामदीन पासवान पुत्र हंसराज पासवान, जोगिया उदयपुर निवासी अमन कुमार पुत्र सुक्खू व भिटिया राजा निवासी गोलू उर्फ मिथुन पुत्र स्व. रामहरक को गिरफ्तार किया गया है।

गिरफ्तार करने वाली टीम में रामकृपाल शुक्ल, प्रभारी निरीक्षक थाना जोगिया, एसओजी प्रभारी शेषनाथ यादव, सर्विलांस सेल के एसआई सुरेंद्र सिंह, एसआई जयप्रकाश तिवारी, गणेश दत्त मिश्र थाना जोगिया, हेड कांस्टेबल राजीव शुक्ल, दिलीप कुमार, आशुतोष धर दुबे, रोहित चौहान, वीरेन्द्र त्रिपाठी, छविराज यादव एसओजी, हेड कांस्टेबल हिन्दे आजाद, जनार्दन प्रजापति, विवेक मिश्र, कांस्टेबल अभिनंन्दन सिंह सर्विलांस सेल, हेड कांस्टेबल गुलाब शाही, कांस्टेबल पंचम यादव, अभय प्रताप यादव, वीरेन्द्र यादव, राजाराम राजभर थाना जोगिया शामिल रहे।

अवधेश प्रसाद के बेटे को मिल्कीपुर से उप चुनाव में उतार सकती है सपा

संवाददाता– अयोध्या। अखिलेश यादव केंद्र की सियासत के साथ यूपी में भी पूरा फोकस किए हुए हैं। अब उनकी निगाह 10 सीटों पर निकट भविष्य में होने वाले विधानसभा उपचुनावों पर है। इंडिया गठबंधन के जरिए वह सभी सीटों पर चुनाव जीतने की कोशिश में हैं और इस बार भी पीडीए उनका ट्रंप कार्ड होगा।

सूत्रों के मुताबिक, पार्टी मिल्कीपुर सीट पर होने वाले उपचुनाव में अवधेश प्रसाद के बेटे अजित प्रसाद को मैदान में उतार सकती है। कटेहरी सीट से लालजी वर्मा की बेटी छाया वर्मा पर भी पार्टी दांव लगा सकती है। लालजी वर्मा इस सीट से विधायक चुने जाते रहे हैं और अब अम्बेडकरनगर से सांसद हो गए हैं। सपा अमर नाथ मौर्य को फूलपुर विधानसभा सीट से प्रत्याशी बना सकती है। मौर्य ने हाल में फूलपुर लोकसभा सीट पर सपा प्रत्याशी के तौर पर मजबूती से चुनाव लड़ा और काफी कम वोटों के अंतर से भाजपा के प्रवीण पटेल से हारे थे। अखिलेश यादव ने जिस करहल विधानसभा सीट से इस्तीफा दिया है। वहां तेज प्रताप यादव को मौका मिल सकता है। तेज प्रताप मुलायम सिंह यादव के पौत्र हैं और मैनपुरी से सांसद रह चुके हैं। करहल सीट मैनपुरी लोकसभा में आती है। कानपुर की सीसामऊ से इरफान सोलंकी की विधायकी चली गई है। यहां सपा के कई नेता दावेदार हैं।

इन सीटों पर होना है उपचुनाव

करहल, मिल्कीपुर, कटेहरी, कुंदरकी, गाजियाबाद, खैर, मीरापुर, फूलपुर, मझवां और सीसामऊ–इन दस सीटों पर चुनाव होना है। विधानसभा इन सीटों को रिक्त घोषित कर चुकी है। वर्ष 2022 के विधासभा चुनाव के हिसाब से देखें तो सपा करहल, मिल्कीपुर, कटेहरी, कुंदरकी व सीसामऊ जीती थी जबकि भाजपा ने गाजियाबाद, खैर, फूलपुर सीट पर कब्जा किया था। मझवां सीट निषाद पार्टी ने तो मीरापुर सीट रालोद ने जीती थी यानी इन सीटों पर 2022 में एनडीए व इंडिया गठबंधन दोनों पांच–पांच सीटें जीते थे।

सपा कांग्रेस का गठबंधन इस वक्त ठीक चल रहा है और दोनों दल अगला विधानसभा चुनाव मिल कर लड़ने की बात भी कर रहे हैं। ऐसे में सपा–कांग्रेस को भाजपा की जीती सीटों में दो से तीन सीटें दे सकती है। इसमें गाजियाबाद भी शामिल है। अभी हाल में लोकसभा के साथ हुए विधानसभा उपचुनाव में भी सपा ने कांग्रेस को लखनऊ पूर्व सीट दी थी। हालांकि यहां भाजपा जीती।

जिला चिकित्सालय में नए कक्ष से पंजीकरण शुरू

संवाददाता–अयोध्या। जिला चिकित्सालय में नए कक्ष से पंजीकरण शुरू हो गया। प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. उत्तम कुमार ने फीता काटकर इसका उद्घाटन किया। जिला चिकित्सालय में अभी तक दो जगह से ओपीडी में आने वाले मरीजों के लिए पंजीकरण होता है। इमरजेंसी के सामने वाले पंजीकरण कक्ष में लम्बी लाइन की वजह से आवागमन में दिक्कतें होती थी।

जिला चिकित्सालय में आने वाली भीड़ को दो जगह में बांटने का प्लान बनाया गया है, जिसके तहत दो स्थान पर पर्चा काउंटर व दवा वितरण कक्ष बनाया गया। जिसमें इमरजेंसी के सामने पर्चा काउंटर व पुरानी ओपीडी के पास दवा वितरण कक्ष तथा नये भवन में दोनों की सुविधाएं दी गई। इमरजेंसी के सामने स्थित पंजीकरण कक्ष में लम्बी लाइन लगती थी। जो अक्सर इमरजेंसी के पास तक चली आती थी।

पुरस्कृत होंगे दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्य करने वाले लोग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। वित्तीय वर्ष 2024–25 में विश्व दिव्यांग दिवस 03 दिसम्बर के अवसर पर दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्तियों/संस्थाओं को विभिन्न श्रेणी के राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान किया जाना है। उक्त जानकारी देते हुए प्र0 जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी श्रीप्रकाश पाण्डेय ने बताया है कि पुरस्कार हेतु आवेदन प्राप्ति की तिथि 15 जुलाई 2024 निर्धारित है। उन्होने बताया कि राज्य स्तरीय पुरस्कार हेतु आवेदन वेबसाइट disabilityaffairs.gov.in से प्राप्त किये जा सकते है।

उन्होने बताया कि राज्य स्तरीय पुरस्कार नियमावली 2017 के अन्तर्गत पुरस्कार हेतु श्रेणी–दक्ष दिव्यांग कर्मचारी स्वनियोजित दिव्यांगजन, दिव्यांगजन हेतु सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता तथा सर्वश्रेष्ठ प्लेसमेंट अधिकारी या एजेन्सी, दिव्यांगजन के निमित्त कार्यरत सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति तथा सर्वश्रेष्ठ संस्था, प्रेरणा श्रोत, दिव्यांग के जीवन सुधारने के निमित्त सर्वश्रेष्ठ नवीन अनुसंधान या उत्पाद विकास, दिव्यांगजन हेतु ''बाधामुक्त वातावरण'' के सृजन हेतु सर्वश्रेष्ठ कार्य, दिव्यांगजन को पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने वाले ''सर्वश्रेष्ठ जिला'', सर्वश्रेष्ठ सृजनशील दिव्यांग व्यस्क व्यक्तियों एवं सर्वश्रेष्ठ बालक/बालिका, सर्वश्रेष्ठ ब्रेलप्रेस, दिव्यांगजन के लिए सर्वोत्तम अनुकूल वेबसाइट, सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग खिलाड़ियों तथा दिव्यांगजन के सशक्तीकरण हेतु कार्यरत अधिकारी/कर्मचारी के लिए है।

उन्होने बताया कि निर्धारित श्रेणी के पुरस्कार से सम्बन्धित अभ्यर्थी अपने आवेदन पत्र भर कर 02 प्रति कार्यालय जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, विकास भवन बस्ती कक्ष संख्या 11 में दिनांक 07 जुलाई, 2024 की सांय 4:00 बजे तक प्राप्त करा सकते है।

श्री कृष्ण जन्म की कथा सुनकर भावविभोर हुए श्रद्धालु

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अवतार के तीन भेद किए गए हैं जन्म, समागम और प्राकट्य। शरीर का जन्म होता है, आत्मा और शरीर का समागम होता है, ईश्वर का केवल प्राकट्य होता है। भगवान श्रीकृष्ण ने अपने भक्तों का उद्धार व पृथ्वी को दैत्य शक्तियों से मुक्त कराने के लिए अवतार लिया था। जब–जब पृथ्वी पर धर्म की हानि होती है, तब–तब भगवान धरती पर अवतरित होते हैं। यह सद्विचार कथा व्यास राम सजीवन शास्त्री जी महाराज ने हरैया नगर पंचायत स्थित सिसई गाँव में शुक्रवार को श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन व्यक्त किया। महाराज ने कहा कि भगवान हमेशा अपने भक्तों का ध्यान रखते हैं। उन्होंने कहा कि जब–जब धरती पर पाप, अनाचार बढ़ता है, तब–तब भगवान श्रीहरि धरा पर किसी न किसी रूप में अवतार लेकर भक्तों के संकट को हरते हैं। जब अत्याचारी कंस के पापों से धरती डोलने लगी, तो भगवान कृष्ण को अवतरित होना पड़ा। सात संतानों के बाद जब देवकी गर्भवती हुई, तो उसे अपनी इस संतान की मृत्यु का भय सता रहा था। भगवान की लीला वे स्वयं ही समझ सकते हैं। भगवान कृष्ण के जन्म लेते ही जेल के सभी बंधन टूट गए और भगवान श्रीकृष्ण गोकुल पहुंच गए। कथा के दौरान शास्त्री जी ने तमाम गीतों के माध्यम से श्रीकृष्ण जन्म का वर्णन किया और साथ ही निकाली गई झांकी ने दर्शकों का मन मोह लिया सभी श्रद्धालु झूम उठे।

इस अवसर पर रामनयन पाण्डेय, रामकुमार पाण्डेय, मनोज पाण्डेय, अखिलेश पाण्डेय, अश्विनी, अमित, समीर, अभिनय, सक्षम, अंबरीश, अनंत, भूपेंद्र, अनुराग, आदर्श, हर्ष सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

दो चौकी इंचार्ज समेत 11 पुलिस कर्मी लाइन हाजिर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

संतकबीरनगर।संतकबीरनगर जिले में एसपी सत्यजीत गुप्ता ने कार्य में लापरवाही बरतने वाले कांटे और बखिरा के चौकी इंचार्ज समेत 11 पुलिस कर्मियों को गुरुवार को लाइन हाजिर कर दिया। लाइन हाजिर किए गए पुलिस कर्मियों को अग्रिम आदेश तक पुलिस लाइन में विशेष प्रशिक्षण के लिए नामित किया गया है। इसके अलावा अन्य ड्यूटी ली जाएगी। एसपी की इस कार्रवाई से पुलिस महकमें में हड़कंप मच गया है।

कांटे और बखिरा चौकी क्षेत्र में लगातार चोरी की घटनाएं बढ़ रही थीं। घटनाओं का अनावरण करने और रोकने में चौकी इंचार्ज अक्षम साबित हो रहे थे। इसके अलावा जन शिकायतों के निस्तारण में रुचि नहीं ले रहे थे। ऐसी शिकायतें लगातार एसपी को मिल रही थीं। जिसकी वजह से एसपी ने कांटे के चौकी इंचार्ज एसआई राकेश कुमार और बखिरा के चौकी इंचार्ज एसआई धर्मेंद्र यादव को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया। इसके अलावा जनता से मिल रही शिकायतों की वजह से पुलिस ऑफिस में पेशी में तैनात हेड कांस्टेबल धर्मेद्र कुमार, कोतवाली में तैनात हेड कांस्टेबल अनिल कुमार यादव, हेड कांस्टेबल दीनानाथ राजभर, कांस्टेबल अनूप यादव, कांस्टेबल ओमवीर सिंह, थाना बेलहर में तैनात हेड कांस्टेबल राघवेंद्र सिंह, दुधारा थाने में तैनात कांस्टेबल प्रशांत विक्रम सिंह, थाना महुली में तैनात कांस्टेबल चंदन कुमार यादव और थाना मेंहदावल में तैनात कांस्टेबल भूपेंद्र प्रताप सिंह को लाइन हाजिर कर दिया।

एसपी सत्यजीत गुप्ता ने पूर्व में कांटे चौकी के चौकी इंचार्ज समेत सभी पुलिस कर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया था। इसकी वजह हाईवे पर वाहनों से अवैध वसूली किए जाने की शिकायतें थीं। इसके अलावा एसपी ने थानाध्यक्षों के कारखास रहे डेढ़ दर्जन से अधिक पुलिस कर्मियों को लाइन हाजिर किया था। एसपी की कार्यशैली से परचित होने के बाद भी आदत में सुधार नहीं करने वाले पुलिस कर्मियों पर लगातार कार्रवाई हो रही है।

एसपी सत्यजीत गुप्ता ने कहा कार्य में लापरवाही बरतने, जन शिकायतों के निस्तारण में रुचि नहीं लेने और चोरी आदि की घटनाओं पर रोक नहीं लगा पाने की वजह से कांटे और बखिरा के चौकी इंचार्ज को लाइन हाजिर किया गया है। इसके अलावा जो पुलिस कर्मी लाइन हाजिर हुए हैं, उनकी भी शिकायतें मिल रही थी। लाइन हाजिर किए गए दोनों चौकी इंचार्ज समेत अन्य पुलिस कर्मियों को विशेष प्रशिक्षण के लिए नामित किया गया है। इसके अलावा अन्य ड्यूटी भी ली जाएगी।

अदालती नोटिस

जो0च0 आकार पत्र 6–क [(नियम–26 (3)]

नोटिस

[धारा –48 क (2) के अधीन]

पुस्तक संख्या. नियम 109 क्रम संख्या. ....

वाद संख्या–20235417650000373

न्यायालय– डी0डी0सी0 महोदय संतकबीरनगर

मधु श्रीवास्तव आदि

बनाम

सरकार आदि

1. अनिल कुमार पुत्र नरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव साकिन मौजा विन्ध्यवासनीनगर मकान नं0–34 जनपद गोरखपुर

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि मेरे सामने भूमि के सम्बन्ध में अधिकार और दायित्व संयुक्त दोनों का विभाजन और गाटों, पेड़ो, कूंओ तथा अन्य समुन्नितयों के मूल्य का अवधारण करने के लिये एक वाद रजिस्टर तैयार किया गया है। आपको एतद् द्वारा आदेश दिया जाता है कि डी0डी0सी0 महोदय संतकबीरनगर में दिनांक–05.07.2024 को 10 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या यथावत अधिकृत अभिकर्ता द्वारा उपस्थित हो। यदि आप उपस्थित न होंगे तो विवाद आपकी अनुपस्थिति में निर्णीत कर दिया जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और कार्यालय के मुहर से दिनांक 28.06.2024 को जारी किया गया।

न्यायालय उप संचालक चकबन्दी सन्तकबीर नगर

कूड़े का अंबार

संवदिदाता।किछौछा (अम्बेडकर नगर)। किछौछा नगर पंचायत क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में पिछले तीन दिनों से सफाई कर्मियों के तरफ से कूड़ा नहीं उठाया जा रहा है। परिणाम स्वरूप जगह–जगह कूड़े का अंबार व ढेर लगा हुआ है। चिलचिलाती धूप व भीषण गर्मी के दौरान कूड़े का ढेर लगने से निकलने वाली बदबू के कारण संक्रामक रोगों के फैलने का खतरा उत्पन्न हो गया है।

दैनिक
भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com